RNT No. UPHTN/2021/A2019



दैनिक

सिद्धि सरकार



वर्ष :5 | अंक:286 | WWW.Siddhisarkar.com | ललितपुर 3 जुलाई गुरुवार 2026 | पृष्ठ:12 मूल्य :3 रुपये

भोपाल- जीतू पटवारी ने सरकार पर लगाए आरोप तो दिग्विजय सिंह ने दी CM को क्लीन चिट, कहा- आरोप तथ्यहीन

मध्य प्रदेश की राजनीति में इस समय कांग्रेस पार्टी के भीतर ही एक बड़ा घमासान देखा जा रहा है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा राज्य सरकार पर लगाए गए गंभीर आरोपों को पार्टी के ही वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा सिरे से खारिज कर दिया गया है. इस घटनाक्रम से प्रदेश कांग्रेस में मची अंदरूनी खींचतान की चर्चा तेज हो गई है.दरअसल, कुछ दिन पहले ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा दिल्ली में एक प्रेसवार्ता कर यह आरोप लगाया गया था कि उज्जैन में लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन %वीर भारत न्यास% को मात्र एक रुपये में आवंटित कर दी गई है. उनके द्वारा दावा किया गया था कि इस ट्रस्ट के सदस्य मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार हैं और मुख्यमंत्री को इस



भारी अनियमितता पर जवाब देना चाहिए.दिग्विजय सिंह द्वारा दी गई क्लीन चिट-इन आरोपों के ठीक उलट, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा उज्जैन में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान जीतू पटवारी के इन दावों को पूरी तरह से तथ्यहीन करार दिया गया. उनके द्वारा दस्तावेज दिखाते हुए यह स्पष्ट किया गया कि वीर भारत न्यास एक शासकीय (सरकारी) ट्रस्ट है, जिसके अध्यक्ष स्वयं मुख्यमंत्री होते हैं. ऐसे में सिंधिया राजघराने की इमारत को एक रुपये में ट्रस्ट को दिया जाना किसी प्रकार की अनियमितता की श्रेणी में नहीं आता. इस दौरान दिग्विजय सिंह द्वारा कुछ लोगों के लिए %दलाल% शब्द का भी इस्तेमाल किया गया, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में बवाल मच गया है.

बीजेपी का हमला और कांग्रेस की सफाई-दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद बीजेपी द्वारा कांग्रेस पर चौतरफा हमला किया जा रहा है. बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा कहा गया कि दिग्विजय सिंह ने खुद सरकारी दस्तावेजों के आधार पर अपनी ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के आरोपों को झूठा साबित कर दिया है. उनके द्वारा जीतू पटवारी को तथ्य और प्रमाण के आधार पर आरोप लगाने की सलाह दी गई है.

अयातुल्ला खामनेई की आखिरी सलामी में नहीं शामिल होंगे ईरान के सुप्रीम लीडर मोइजतबा,



ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई के बेटे और उनके संभावित उत्तराधिकारी माने जाने वाले मोइजतबा खामनेई अपने पिता की अंतिम विदाई में सार्वजनिक रूप से शामिल नहीं हो सकते हैं. क्षेत्र में जारी तनाव और सुरक्षा खतरों को देखते हुए उनकी मौजूदगी पर फिलहाल संशय बना हुआ है.ईरान के सुप्रीम लीडर के भारत स्थित प्रतिनिधि अयातुल्लाह हकीम इलाही ने बताया कि मोइजतबा खामनेई स्वयं इस शोक समारोह में शामिल होकर अपने पिता को अंतिम श्रद्धांजलि देना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की सलाह के चलते ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है.

क्यों शामिल नहीं होंगे मोइजतबा?अयातुल्लाह हकीम इलाही ने आगे कहा कि मोइजतबा खामनेई के प्रतिनिधियों ने भी संकेत दिया है कि वह सार्वजनिक रूप से सामने आकर अपने समर्थकों से मिलना चाहते हैं. हालांकि, मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने से परहेज करने की सलाह दी है. ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि अयातुल्ला अली खामनेई की अंतिम विदाई के दौरान भी मोइजतबा खामनेई सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आएंगे. ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की अंतिम विदाई को लेकर तैयारियां तेज हैंत. माना जा रहा है कि उनके अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों में दुनिया भर से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे. कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि करीब दो करोड़ लोगों के जुटने की संभावना है, हालांकि इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. भारत से भी कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों को ईरान की ओर से औपचारिक निमंत्रण भेजा गया है.ईरान ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को भी अंतिम विदाई समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है. ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के निदेशक मोहसिन कुम्मी की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में उन्हें भारत के विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होने का आग्रह किया गया है. संपर्क किए जाने पर नकवी ने निमंत्रण मिलने की पुष्टि की, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया

असली TMC किसकी?, ममता बनर्जी और रितब्रत बनर्जी को चुनाव आयोग का नोटिस, 6 जुलाई तक मांगा जवाब



ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के अंदर चल रहा विवाद चुनाव आयोग तक पहुंच गया है. टीएमसी के बागी नेता ऋ्रब्रत बनर्जी के गुट के लोगों ने गुरुवार (2 जुलाई) को चुनाव आयोग से मुलाकात की. अब चुनाव आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों गुटों को नोटिस भेजा है. आयोग ने ममता बनर्जी और ऋ्रब्रत बनर्जी को नोटिस भेजा है और इसको लेकर जवाब भी मांगा है. चुनाव आयोग ने असली टीएमसी को लेकर सवाल किया है.

इलेक्शन कमीशन ने ममता और ऋ्रब्रत गुट को टीएमसी को लेकर किए जा रहे दावों को लेटर लिखा है. इसके साथ ही उन्हें सोमवार (6 जुलाई) शाम 5ः30 बजे तक अपने जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है.

बागी गुट ने चुनाव आयोग से की मुलाकात-ऋ्रब्रत के नेतृत्व वाले बागी गुट ने कहा कि निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ ने पार्टी पर उसके दावे को लेकर उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनी. बागी गुट ने उम्मीद जताई कि आयोग जल्द ही इस पर कोई जवाब देगा. इस बीच, ममता बनर्जी खेमे ने बागी गुट को मिलने का समय देने के आयोग के फैसले पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि यह बैठक आयोग की अपनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन है.

यूपी के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी, बिजली बिल पर विद्युत नियामक आयोग का अहम फैसला



उत्तर प्रदेश में विद्युत नियामक आयोग ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है. लगातार सातवें साल राज्य में बिजली बिल के दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे. उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता परिषद् के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने इस संदर्भ में एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि देश के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खुशखबरी उत्तर प्रदेश में सातवें साल भी नहीं बढ़ी.बिजली दर यथावत रहेगी. नोएडा पावर कंपनी में 10ऋछूट लागू रहेगी. वर्मा ने कहा कि उपभोक्ता परिषद् की लड़ाई रंग लाई. उन्होंने यह भी कहा कि विद्युत निगम चोर दरवाजे से बिजली के रेट्स बढ़ाना चाहता था लेकिन विद्युत नियामक आयोग के ऐलान से आज उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है.

उन्होंने यह भी कहा कि यूपी देश का पहला राज्य बन गया है जहां सात साल से दाम नहीं बढ़े. अब आने वाले समय में चार्जिंग स्टेशन है, जहां पर दिन में ई रिक्शा या ईवी चार्जिंग करेगा, उसमें 20 फीसदी की छूट मिलेगी. हालांकि यह छूट केवल दिन में रहेगी.

इस संदर्भ में एक सोशल मीडिया पोस्ट में उर्जा मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि ऐतिहासिक है यूपी का विद्युत व्यवस्थापनज उत्तर प्रदेश में लगातार सातवें वर्ष भी बिजली की दरें नहीं बढ़ाई गईं. 7 वर्ष से विद्युत दरों में एक पैसे की भी वृद्धि नहीं की गई. सभी उपभोक्ताओं के लिए 2026-27 में भी वही दरें रहेंगी जो सात वर्ष पहले थीं. और यह तब जब विद्युत आपूर्ति भी अधिकतम है. इस वर्ष गर्मी में देश की अधिकतम आपूर्ति का एक नया रिकॉर्ड बनाः 32673 MW. प्राकृतिक अवरोधों के बावजूद हर शहर, हर गाँव, हर सड़क, हर गली में 24×7 बिजली देने का हो रहा प्रयास. प्रदेशवासियों को बधाई. सरचार्ज बढ़ाने के बाद फिर हटाया गया था

नियामक आयोग का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब बीते दिनों बिजली उपभोक्ताओं पर सरचार्ज का बोझ पहले लादा गया फिर हटा लिया गया.

इस संदर्भ में उर्जा मंत्री अरविंद शर्मा का एक पत्र भी सामने आया था जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन को फटकार लगाई थी कि बिना उनसे चर्चा किए सरचार्ज का ऐलान कैसे कर दिया गया.





दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की सड़क धंसी, निर्माण गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल, स्थानीय लोग चिंतित



केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने की घटना सामने आई है. इस घटना से प्रोजेक्ट की निर्माण गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए गए हैं. करीब 12 हजार करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार किए गए इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन लगभग दो महीने पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से किया गया था.

अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होता हुआ देखा जा रहा है, जिसमें एक्सप्रेसवे की सड़क पर करीब दो-दो फीट के गहरे गड्ढे बन जाने का दावा किया जा रहा है. हालांकि, सूचना मिलते ही संबंधित विभाग की टीम की ओर से मौके पर पहुंचकर गड्ढों की मरम्मत करा दी गई है. इसके बावजूद, सड़क के किनारे का हिस्सा अभी भी काफी क्षतिग्रस्त देखा जा सकता है, जिससे स्थानीय लोगों और वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों में भारी चिंता व्याप्त है.

टला बड़ा हादसा, किनारे अभी भी कमजोर-वायरल वीडियो और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर यह आशंका जताई गई है कि यदि समय रहते इन गड्ढों की जानकारी नहीं मिलती, तो यहां किसी बड़े सड़क हादसे को दावत मिल सकती थी. घटना के तुरंत बाद विभागीय टीम की तरफ से मरम्मत कार्य शुरू कराकर सड़क के धंसे हुए हिस्से को भर दिया गया है.

लेकिन, इस मरम्मत के बावजूद सड़क का बाहरी किनारा अभी भी बेहद कमजोर और क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है. स्थानीय लोगों की ओर से यह आरोप लगाया गया है कि यदि इस हिस्से की उचित तकनीकी जांच और स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई, तो भविष्य में सड़क के फिर से धंसने की आशंका बनी रहेगी. इससे वाहन चालकों की सुरक्षा पर लगातार खतरा मंडराता रहेगा.अधिकारियों की ओर से साधी गई चुप्पी-इस गंभीर घटना के सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों से संपर्क साधे जाने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी भी अधिकारी की तरफ से कैमरे पर कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया गया.

पिटाई के बाद अस्पताल में भर्ती पुत्री को देखने पहुंचे ससुर के साथ दामाद ने गाली गलौज कर दी धमकी

पीड़ित ससुर की शिकायत पर दामाद और अन्य परिजनों पर मामला दर्ज

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला आजादपुरा में रहने वाली एक विवाहिता के साथ उसके पति ने मारपीट की, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब विवाहिता का पिता अस्पताल अपनी पुत्री को देखने पहुंचा, तो उसके दामाद ने उसके साथ भी गाली गलौज कर धमकी दी। घटना के संबंध में पीड़ित ससुर ने पुलिस को शिकायती पत्र देखा दामाद पर मामला दर्ज कराया।

जनपद झाँसी के थाना टोड़ी फतेहपुर अंतर्गत ग्राम महेवा निवासी संतोष कुमार पटेल पुत्र स्वामी प्रसाद ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि उसकी पुत्री रोहिणी की शादी 13 वर्ष पूर्व शहर के मोहल्ला आजादपुर निवासी राज्यपाल पुत्र राम सिंह पटेल के साथ संपन्न हुई थी. बताया गया है कि दिनांक 29 जून 2026 को रात्रि 1ः30 बजे उसके दामाद ने उसकी पुत्री के साथ काफी मारपीट की, जिससे वह छत से गिर गई थी और उसकी पुत्री गंभीर रूप से घायल हुई थी। इस दौरान उसकी पुत्री को झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इसी दौरान उसकी दूसरी पुत्री रुक्मणी ने उसे घटना की जानकारी दी, तो वह अपनी पुत्री को झांसी मेडिकल कॉलेज में देखने के लिए पहुंचा, जहां उसके दामाद और पूरे परिवार में उसके साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी विपक्षी के खिलाफ 115(2), 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

जमीनी विवाद में विपक्षियों ने गाली गलौज मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पीड़ित ग्रामीण की शिकायत पर नामजद व अज्ञातों के खिलाफ मामला दर्ज

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मेलवारा कला में जमीनी विवाद को लेकर दबंग विपक्षियों ने ग्रामीण के साथ गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ग्राम मेलवारा कला निवासी माधव सिंह पुत्र समर सिंह ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 28 जून 2026 को सुबह 6ः00 बजे वह गांव में था।इसी दौरान ग्राम सतरवांस निवासी विपक्षी सूर्य प्रताप सिंह अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ उसके गांव आया, जहां दबंगों ने उसके साथ जमकर गाली गलौज की। इस दौरान जब उसने विपक्षियों की इस हरकत पर विरोध जताया, तो उन्होंने लात घुसो लाठी डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान विपक्षी जमीनी विवाद के चलते विवादित जमीन को छोड़ने की धमकी दे रहे थे और न छोड़ने पर जान से मारने की भी धमकी दे रहे थे। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर नामजद व अज्ञात विपक्षियों के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामले पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

पुराने विवाद को लेकर गाली गलौज मारपीट कर दी जान से मारने धमकी

पीड़िता की शिकायत पर विपक्षी पिता पुत्र पर मामला दर्ज

ललितपुर। थाना मड़ावरा क्षेत्र के अंतर्गत रखबारा में पुरानी विवाद को लेकर एक महिला के साथ विपक्षी पिता पुत्र ने सरेआम गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। उक्त घटना के संबंध में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों पर मामला दर्ज किया है।

ग्राम रखबारा निवासी संता बाई पत्नी साधू सिँह ने थाना मड़ावरा पुलिस को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि दिनांक 1 जुलाई 2025 को सुबह करीब 7ः30 बजे वह अपने घर के बाहर थी। इसी दौरान पुराने विवाद को लेकर गांव में ही रहने वाले विपक्षी इंद्रपाल पुत्र राजा भैया यादव के साथ उसका पिता राजा भैया पुत्र नारायण यादव एक राय होकर आए और उसके साथ गाली गलौज करने लगे। इस दौरान जब उसने विपक्षियों की इस हरकत पर बिरोध जताया, तब उन्होंने लात घुसा लाठी डंडों से मारपीट करते हुए सरेआम जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित महिला ने विपक्षियों से अपनी जान का खतरा बताया है। थाना मड़ावरा पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर दोनों विपक्षियों के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामले पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

हदबंदी शुदा भूमि का सीमांकन उखाड़ कर अवैध रूप से कब्जा करने का आरोप

विरोध करने पर गाली गलौज मारपीट कर धमकी देने का आरोप

पीड़ित की शिकायत पर गाँव के ही चार विपक्षियों पर मामला दर्ज

ललितपुर। थाना म?ावरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ग?ौली कला में हदबंदी शुदा जमीन पर दबंग विपक्षियों ने सीमांकन को उखाड़ कर फेंक दिया और जमीन पर कब्जा कर लिया। इतना ही नहीं जब पीड़ित ग्रामीण ने विपक्षियों की इस हरकत पर विरोध जताया, तो उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों पर मामला दर्ज किया है।

ग्राम गढ़ोली कला निवासी धर्मेश पुत्र रतिराम तिवारी ने थाना मढ़ावरा पुलिस को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि गांव में स्थित उसकी जमीन गाटा संख्या 1128, 1129, 1134 पर उसका पुराना जमीन विवाद गांव में ही रहने वाले विपक्षी लखन सिंह पुत्र मुरारी लोधी से चल रहा था। जिसको निपटने के लिए उसने राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में अपनी जमीन की पैमाइश करा कर हदबंदी करवा ली थी और पत्थर गड्डी गढ़वा कर मामले को शांत कर दिया था। लेकिन यह हदबंदी विपक्षियों को रास नहीं आई, जिसको लेकर लाखन सिंह पुत्र मुरारी लोधी, केहर सिंह पुत्र विजय लोधी, पप्पू पुत्र विजय लोधी के साथ उनके पिता विजय पुत्र रतन लोधी एक राय होकर उसकी जमीन पर पहुंचे और विपक्षियों ने दिनांक 24 जून 2026 को दिन में लगभग 11ः00 बजे हदबंदी शुदा जमीन पर गड़े चीरों को खोदकर फेंक दिया तथा जमीन पर कब्जा जमा लिया। इस दौरान जब उसने विपक्षियों की इस हरकत पर बिरोध जताया, तो उन्होंने सरेआम गाली गलौज मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। थाना म?ावरा पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर चारों विपक्षियों के खिलाफ 326(ई), 352, 351(2), 351(3) धाराओं में मामले पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

नाजिया इलाही द्वारा इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के खिलाफ अमर्यादित टिप्पड़ी करने पर भड़के मुस्लिम समुदाय

जमीयात-उलमा-ये-हिन्द के बैनर मुस्लिम समुदाय ने कलेक्ट्रेट में किया उग्र प्रदर्शन





आरोपी महिला को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग कोलेकर महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित कर डीएम एसपी को दिया ज्ञापन

ललितपुर। कुछ दिनों पहले एक मुस्लिम महिला नाजिया इलाही का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उसने मुस्लिम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए टीका टिप्पणी की थी। इसी मामले को लेकर मुस्लिम समुदाय काफी आक्रोशित हुआ और जमीयात-उलमा-ये-हिन्द के बैनर मुस्लिम समुदाय ने कलेक्ट्रेट में उग्र प्रदर्शन कर उक्त तथाकथित महिला की गिरफ्तारी हेतु देश की महामहाम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित कर डीएम एसपी को ज्ञापन दिया। बताया गया है कि महिला की जल्द ही गिरफ्तारी न होने पर मुस्लिम समाज उग्र आंदोलन कर धरना प्रदर्शन भी करेगी।

नाजिया इलाही द्वारा इस्लाम धर्म पर की गई टीका टिप्पणी के बाद मुस्लिम समुदाय में उबाल आया और गुरुवार को जमीयात-उलमा-ये-हिन्द के बैनर मुस्लिम समुदाय एकत्रित होकर कलेक्ट्रेट पहुंची जहां उन्होंने नाजिया इलाही के खिलाफ जमकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने देश की महामहाम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित कर डीएम एसपी को ज्ञापन दिया जिसमें अवगत कराया गया है उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि विपक्षी नाजिया इलाही की वीड़ियो वायरल हो रही है, जिसमें विपक्षी नाजिया इलाही के द्वारा मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से मुस्लिम समुदाय के पैग्म्बर हजरत मुहम्मदसाहब (सश्अ0ब0) के सम्बंध में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस वायरल वीडियो में शब्दों को सुनकर मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहंची है, जिससे मुस्लिम समुदाय में बहुत आक्रोश है। विपक्षी नाजिया इलाही का उद्देश्य सिर्फ देश व प्रदेश में धार्मिक दंगे कराना है, ताकि देश में बनी अमन शांति को खतरा हो सकता है और दंगे भी भड़क सकते हैं। इसलिए उपरोक्त विपक्षी नाजिया इलाही पर संगीन से संगीन धाराओं में एफ.अई.आर. दर्ज करें, जिससे फिर सेअसामाजिक व फसादी व्यक्तियों को सबक मिल सके और फिर कोई भी किसी भी धर्म के बारे में आपत्तिजनक टिप्णी न कर सके। आरोप है कि विपक्षी नाजिया इलाही व इन जैसे असामाजिक तत्वों पर अब तक कोई कार्यवाही न होने के कारण इनके द्वारा लगातार बार-बार हजरत मुहम्मद साहब(स0अ0ब0) की शान में गुस्ताखी की जा रही है और देश-प्रदेश का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। इसलिए उक्त विपक्षी नाजिया इलाही पर सख्त से सख्तकानूनी कार्यवाही की जाये, जिससे देश में अमन व शान्ति बनी रहे। दिए गए ज्ञापन पर जुनैद खान मुस्तफा खान पार्षद अमित मोहम्मद हुसैन नदीम शबनम हबीब खान आमिर खान हनीफ खान समद खान मोहम्मद जावेद अरबाज खान कबीर खान अब्दुल ताहिर रजक सहित एक सैकड़ा मुस्लिम समुदाय के लोगों के हस्ताक्षर बने हुए हैं।

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा के कारण शनिवार के स्थान पर सोमवार को होगा संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

ललितपुर। सचिव, उ0प्र0 शासन राजस्व अनुभाग-4, लखनऊ के पत्र दिनांक 01 जुलाई, 2026 के अनुसार दिनांक 02, 03 व 04 जुलाई, 2026को उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (.क्क ञ्जश्वञ्ज) 2026 प्रस्तावित होने के दृष्टिगत सम्पूर्ण समाधान दिवस को दिनांक 04 जुलाई, 2026 दिन शनिवार के स्थान पर दिनांक 06 जुलाई.2026 दिन सोमवार को आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। क्योंकि दिनांक 29 जून 2026 द्वारा निर्गत रोस्टर को आंशिक संशोधित करते हुए दिनांक 04 जुलाई 2026 दिन शनिवार के स्थान दिनांक 06 जुलाई 2026 दिन सोमवार को सम्पूर्ण समाधान आयोजित किया जायेगा। शेष आदेश यथावत रहेगा। तदनुसार जनपद के सम्बन्धित आअधिकारी / कर्मचारीगण दिनांक 06 जुलाई 2026दिन सोमवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

1 जुलाई से 31 अगस्त तक जनपद के सभी तालाबो, जलाशयों, नदियों, नालों एवं समस्त जलधाराओं पर मछली के शिकार पर रहेगी रोक

ललितपुर।जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कार्यालय आदेश जारी करते हुए सूचित किया है कि, उ0 प्र0 मत्स्य अधिनियम 1948 की धारा 1 के अन्तर्गत एवं शासनादेशो के अधीन समस्त तालाबों, जलाशयों, नदियों / नालों एवं समस्त जलधाराओं से 01 जुलाई से 31 अगस्त तक शिकारमाही / मत्स्याखेट प्रतिबन्धित किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त आदेश जनपद की सीमा में स्थित सभी तालाबो, जलाशयों, नदियों / नालों एवं समस्त जलधाराओं पर प्रभावी होंगे जो उनके द्वारा यथावधि व्यक्तिगत अथवा धार्मिक घोषित नही किये गये हो। कोई भी व्यक्ति विस्फोटक पदार्थ अथवा कृषि रक्षा एवं व्यापारिक कार्य में प्रयुक्त होने वाले विषैले रसायन से मछली नहीं %मारेगा और न ही मारने का प्रयास करेगा। सभी तालाबो, जलाशयों, नदियों / नालों एवं समस्त जलधाराओं में 01 जुलाई 2026 से 31 अगस्त 2026 तक प्रजननशील मछलियो का मत्स्याखेट/शिकारमाही पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित रहेगा और न ही बेचेगा और पूर्णरूप से आयात निर्यात पर रोक रहेगी तथा कोई भी व्यक्ति 15 जुलाई से 30 सितम्बर तक मत्स्य जीरा अथवा मत्स्य अंगुलिका (2 से 10 इंच) आकार की न तो पकडेगा, और न ही बेचेगा। कोई भी व्यक्ति जनपद के अन्तर्गत प्राकृतिक जलधाराओं को रोकने हेतु कोई अवरोध नहीं लगायेंगा और न ही मत्स्य जीरा, मत्स्य अंगुलिका और प्रजननशील मछलियो को नही पकडेगा अथवा न ही नष्ट करने का प्रयास करेगा। अतः उपरोक्तनुसार प्रतिबंधो के उल्लंघन की स्थिति में उ0 प्र0 मत्स्य अधिनियम 1948 में निहित प्राविधांनों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी ।

जमीन का सीमांकन कराने के बाद बिपक्षियों गाली गलौज मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पीड़िता की शिकायत पर गांव के ही दबंग विपक्षी पर मामला दर्ज

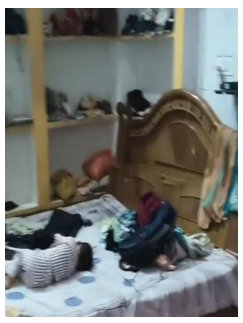
ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बे में विवादित जमीन का सीमांकन करने के बाद जब कर्मचारी वापस लौट गए, तब विपक्षी ने दो बहनों के साथ गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। उक्त घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कस्बा बानपुर निवासी नम्रता सिंह पुत्री स्वर्गीय दशरथ सिंह ने स्थानीय थाने में शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि गांव में उसके पिता स्वर्गीय दशरथ सिंह के नाम पर चक संख्या 987 खेती किसानी की जमीन है, जिस पर विवाद हो रहा था। इसीलिए उसने दिनांक 1 जुलाई 2026 को राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में जमीन की पैमाइश कराई, ताकि विवाद को शांत कर सके। लेकिन जब राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी जमीन की पैमाइश करने के बाद वापस चले गए, तभी गांव में ही रहने वाले विपक्षी चरनदास पुत्र चुखरे अहिरवार ने नाप पर असंतुष्टि जताई और उसके साथ जमकर गाली गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो गया। इस दौरान जब उसकी बहन उसके बचाव में आई, तो दबंग पक्षी ने दोनों बहनों के साथ सरेआम मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। हालांकि आसपास के लोगों ने उसे बचाया था। थाना भानपुर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी विपक्षी के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

पुलिस सुरक्षा कमजोर होने से महरौनी में दिखा चोरों का आतंक

दो दिनों में लगातार दो बड़ी चोरियाँ होने से क्षेत्रवासी दहशत में

अज्ञात चोरों ने अध्यापक दंपति के घर धावा बोलकर नगदी व सोने चांदी के आभूषणों के साथ शादी की सीडी भी ले उड़े



ललितपुर। जहां एक बार पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुस्ताक लगातार अपने अधीनस्थों को इलाके की पुलिसिंग को मुस्तैद बनाने की नसीहत दे रहे हैं और लगातार चेकिंग तथा गस्त अभियान चला कर अपराधियों पर कार्यवाही करने की नसीहत दे रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर पुलिस की इसी लचर कार्य प्रणाली का फायदा बदमाश उठा रहे हैं और जनपद में लगातार अपराधी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। जनपद में अज्ञात चोरों का लगातार आतंक बना हुआ है, जो लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। हाल ही में कोतवाली महरौनी क्षेत्र में लगातार दो दिनों में दो बड़ी चोरियों के मामले सामने आए हैं, जिसमें अज्ञात बदमाशों ने एक अध्यापक दंपति सहित करीब चार ग्रामीणों के घर में रखी हुई नगदी के साथ सोने चांदी के आभूषण और यहां तक कि अध्यापक की घर में रखी हुई शादी की सीडी पर भी हाथ साफ कर दिया, जिसको लेकर आक्रोश बना हुआ है। हालांकि पीड़ितों ने कोतवाली महरौनी पुलिस को शिकायती पत्र दिए हैं और मामले में जल्द से जल्द कार्यवाही करते हुए खुलासे की मांग उठाई है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को दिनदहाड़े अज्ञात चोरों ने महरौनी क्षेत्र के ग्राम कुआं घोसी में रहने वाले अध्यापक मनीष साहू के घर में उस समय बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया, जब मनीष साहू सुबह ड्यूटी पर जाते समय अपनी टीचर पत्नी को छोड़ने के लिए ग्राम सैदपुर गया हुआ था। बताया गया है कि जब मनीष साहू अपनी पत्नी के साथ मंगलवार की दोपहर में अपने घर वापस आया तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गया। इस दौरान मनीष ने देखा कि उसके घर के दरवाजे खुले हुए थे और ताले टूटे हुए पड़े थे जब वह अंदर पहुंचा तो पता चला की अलमारी के साथ-साथ उसके लॉकर का भी ताला टूटा हुआ है और सारा सामान कमरों में बिखरा पड़ा है। इस दौरान जब उसने गहनता से अपने घर की जांच की तो पता चला कि उसके घर में चोरी हुई है और अज्ञात चोर करीब 15 तोला सोना के आभूषण, रखी हुई 80 हजार रुपये नकदी और शादी की यादगार सीडी के साथ आभूषणों के बिल तक साथ लेकर रफू चक्कर हो गए । इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और पीड़ित से प्रार्थना पत्र लेकर जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया। चोरी की इस ब?ी घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। चोरी की घटना के समय बताया गया है कि पीड़ित अपनी पत्नी को स्कूल छोड़ने के लिए सैदपुर गया था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य बच्चों को लेकर बाहर गए हुए थे। बताते चलें कि मंगलवार को भी इसी कस्बे में एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई थी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बढ़ते अपराधों से ऐसा प्रतीत होता है कि चोरों और अपराधियों में पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। हालांकि पुलिस आधीक्षक मोहम्मद मुस्ताक लगातार पुलिस सुरक्षा की बात कर रहे हैं, लेकिन उनके दावे धरातली स्थिति पर खोखले साबित हो रहे हैं। अब देखना होगा कि पुलिस इस चोरी का खुलासा कर आरोपियों तक कब पहुंच पाती है।

पब्लिक स्कूल के पास अमृत योजना -2 की नाली में गिरकर बाइक सबार के घायल होने के बाद भी नहीं हुआ सुधार

मुहल्लेबालों ने बच्चों के नाली में गिरने की आँशका जताकर एडीएम नमामी गंगे को ज्ञापन देकर खुली पड़ी बाली को तत्काल बंद कराने की उठाई मांग







अन्यथा की दृष्टि में धरने पर बैठने की दी चेतावनी

ललितपुर। शासन की मंशा के अनुरूप हर घर तक शुद्ध जल पहुंचने के लिए अमृत योजना तू का संचालन किया गया है जिसके तहत कार्य संस्थाओं की मदद से घर-घर तक पाइपलाइन डालने का काम किया जा रहा है इसी पाइपलाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत न होने से वह अब परेशानी का सबक बनती जा रहे हैं, जिसको लेकर आम जनमानस में आक्रोश पनप रहा है। क्योंकि खुद ही पड़ी सड़क और खुली नालियों में लगातार हद से हो रहे हैं। ऐसे ही एक मामले को लेकर सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शहर के मोहल्ला रावतयाना गोविंद नगर के निवासी अपने मोहल्ले की खुली पड़ी नाली और बदहाल सड़कों को लेकर नमामि गंगे कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने एडीएम को ज्ञापन देकर अपने मोहल्ले की खुली पड़ी नाली की मरम्मत की मांग उठाई बताया गया है कि इस मोहल्ले में इसी नाली में गिरकर एक बाइक सवार चोटिल हो गया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। इसके साथ ही यहां से निकलने वाले स्कूली बच्चों पर भी ऐसा ही खतरा म?रा रहा है।

नगर पालिका परिषद अंतर्गत शहर के वार्ड नंबर 14 रावत यान गोविंद नगर में नमामि गंगे परियोजना के तहत जल जीवन मिशन द्वारा कड़ाई संस्था की मदद से पाइपलाइन डालने के लिए यहां पर सड़कों और नालियों की खुदाई की गई थी। बताया गया है कि वर्तमान समय में यह सड़क और नालियां ऐसी ही खुली पड़ी हुई है, जिनमें लगातार हादसे हो रहे हैं। करीब एक सप्ताह है पूर्व इसी खुली पड़ी नाली में गिर कर एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हुआ था जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया है कि इसी इलाके में कई स्कूल संचालित हैं जहां से छोटे-छोटे बच्चों का आना-जाना रहता है और कभी भी इस खुली पड़ी नाली की वजह से बड़ा हादसा हो सकता है। इसी मामले को लेकर गुरुवार को मोहल्लेवासी नगर पालिका परिषद के पार्षद प्रतिनिधि के साथ कलेक्ट परिसर पहुंची जहां उन्होंने एडीएम नमामि गंगे को नाली की मरम्मत हेतु ज्ञापन दिया और अधिकारी कर्मचारियों की लचर कार्य प्रणाली पर कड़ी आपत्ति जताई। मोहल्ले वासियों का आरोप है की पाइपलाइन डालने के लिए मोहल्ले में नाली और सड़कों की खुदाई की गई थी लेकिन कार्य पूरा होने के बाद भी अब तक नाली की मरम्मत नहीं की गई है जिस कारण यहां पर लगातार हद से हो रहे हैं और आवा गमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बताया गया है की पाइपलाइन डालने के लिए यहां पर एक पुलिया भी तोड़ दी गई थी जिसकी भी मरम्मत नहीं हो पाई है। इस ज्ञापन के माध्यम से मोहल्ले वासियों ने अपने इलाके की खुली पड़ी नाली और पुलिया की जल्द से जल्द मरम्मत करने की मांग उठाई अन्यथा की दृष्टि में सार्वजनिक रूप से धरना प्रदर्शन आंदोलन की भी चेतावनी दी दिए गए ज्ञापन पर इलाके की पार्षद पूजा यादव के प्रतिनिधि आनंद और फब्बुरे के साथ-साथ शैलेंद्र बाबू कारण जमुना बाई सुनील रविंद्र राकेश खातून राजीव रविंद्र सहित एक दर्जन से अधिक मोहल्ले वासियों के हस्ताक्षर बने हुए हैं।

डॉक्टर्स डे और सीए डे पर चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का हुआ सम्मान

लायंस क्लब सेवा ललितपुर ने अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर जताया आभार



समाज सेवा के संकल्प के साथ नए लायनिस्टिक वर्ष की शुरुआत

ललितपुर। लायंस क्लब सेवा ललितपुर द्वारा नए लायनिस्टिक वर्ष के प्रथम दिन डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) डे पर जिले के प्रतिष्ठित चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस दौरान क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि चिकित्सक समाज के शारीरिक स्वास्थ्य के मार्गदर्शक होते हैं, जबकि चार्टर्ड अकाउंटेंट आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दोनों ही वर्ग अपने-अपने क्षेत्र में समाज और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। इसी भावना के साथ उनके सम्मान का आयोजन किया गया। इस दौरान डा.दीपक चौबे, डा.आलोक जैन, डा.दीपाली, डा.दीपक, डा.अनुपम मिश्रा एवं डा.प्रतीक को उनके चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं जनपद के वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए संजीव जैन, सीए सौरभ जैन एवं सीए विकास ओसवाल को भी समाज और आर्थिक क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लायंस क्लब सेवा के अध्यक्ष संजीव जैन ममता स्पोटर्स ने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का सम्मान करना क्लब की परंपरा है और आगे भी इस प्रकार के सामाजिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर क्लब सचिव डा.संदीप श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष अभय जैन, पूर्व अध्यक्ष राजीव पटवारी, पूर्व सचिव डा.अवधेश अग्रवाल, लोकेश जैन, मनोज जैन, बुविसे प्रमुख हरीश कपूर टीटू, फहीम सहित क्लब के अन्य सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी सम्मानित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

तीन वार्डों में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ सीसी सड़क, नाली और नाला निर्माण से बदलेगी तस्वीर

नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने किया भूमि पूजन, गुणवत्ता और समयबद्ध कार्य के दिए निर्देश



ललितपुर। नगर पालिका परिषद ने नगर के समग्र एवं संतुलित विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए गुरुवार को वार्ड संख्या 6, 16 और 19 में करोड़ों रुपये की लागत से होने वाले सीसी सड़क, नाली एवं नाला निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनाली जैन अभिलाषा ने जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों की मौजूदगी में भूमि पूजन कर विकास कार्यों की शुरुआत की और संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य उच्च गुणवत्ता एवं निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। भूमि पूजन के दौरान नपाध्यक्ष ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए जलभराव और खराब सड़कों की समस्या वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वार्ड संख्या 6 (रामनगर) में आरटीओ कार्यालय से सिंचाई विभाग की पुलिया तक सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। वहीं वार्ड संख्या 16 (आजादपुरा प्रथम) के मदनपुर के पीछे स्थित माधव नगर क्षेत्र में दो सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इसके अलावा वार्ड संख्या 19 (आजादपुरा) में भरतपुरा हाउस से आगे तक नाला निर्माण एवं उसके चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ कराया गया। नपाध्यक्ष ने अवर अभियंता निधि पाण्डेय को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और तय समय सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि नगर का विकास, बेहतर आधारभूत सुविधाएं और जनहित के कार्य ही नगर पालिका की प्राथमिकता हैं तथा प्रत्येक वार्ड तक विकास की किरण पहुंचाना परिषद का संकल्प है। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद क्षेत्रवासियों ने पालिका अध्यक्ष का पुष्पमालाओं से स्वागत किया और नगर में लगातार कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से जलभराव और जर्जर मार्गों की समस्या बनी हुई थी, जिसके समाधान के लिए अब प्रभावी पहल की गई है। उन्होंने पालिका अध्यक्ष द्वारा नियमित वार्ड भ्रमण, जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण और विकास कार्यों की सतत निगरानी की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्ना लाल जैन, वार्ड पार्षद रजनी रजक, शिवानी कुशवाहा, पार्षद प्रतिनिधि अमरदीप रजक, अमित कुशवाहा, अमित नायक, अवर अभियंता खुशबू खान, निधि पाण्डेय, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लिपिक रमाकांत तिवारी, निर्माण लिपिक दीपेंद्र कुमार, नजूल लिपिक सुधीर रावत, बद्री कुशवाहा सहित नगर पालिका परिषद के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सीएमओ के निर्देशों के बावजूद मड़ावरा सीएचसी में रक्तदान शिविर में अव्यवस्था



25-30 संभावित रक्तदाता लौटे, काउंसलिंग टेबल और पेयजल की व्यवस्था नहीं,

बैनर हटाने से नाराज सपाई बिना रक्तदान किए लौटे, 13 यूनिट रक्त ही हो सका संग्रहित

ललितपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मड़ावरा में आयोजित रक्तदान शिविर अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक समन्वय के अभाव के कारण विवादों में घिर गया। आयोजकों का आरोप है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद सीएचसी प्रशासन ने अपेक्षित सहयोग नहीं किया, जिससे करीब 25 से 30 संभावित रक्तदाता बिना रक्तदान किए लौट गए और शिविर अपने संभावित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका। शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं देवदूत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में यह मासिक रक्तदान शिविर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। निर्धारित चक्रानुक्रम के अनुसार जनवरी और जुलाई माह में मड़ावरा ब्लॉक में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है। आयोजकों के अनुसार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने 16 जून 2026 को पत्रांक 4200 के माध्यम से सीएचसी अधीक्षक को शिविर के सफल संचालन में आवश्यक सहयोग देने के निर्देश दिए थे, लेकिन मौके पर इन निर्देशों का पालन नहीं हुआ। शिविर में कुल 13 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिसमें एक यूनिट दुर्लभ ए-नेगेटिव ब्लड ग्रुप भी शामिल रहा। इसके अलावा एक व्यक्ति ने देहदान का संकल्प भी लिया। आयोजकों का कहना है कि रक्तदाताओं के लिए पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। न तो ट्रस्ट समिति से और न ही ब्लड बैंक टीम से इस संबंध में कोई समन्वय किया गया। इसके अलावा, ग्रामीणों और तीमारदारों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के लिए सीएचसी कैम्पस में काउंसलिंग हेतु टेबल लगाने का अनुरोध भी सीएचसी प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। इससे शिविर में जागरूकता अभियान प्रभावित हुआ और संभावित रक्तदाताओं तक संदेश नहीं पहुंच सका। विवाद उस समय और बढ़ गया जब शिविर में रक्तदान करने आये सपाइयों ने बाहर कैंपस/स्थल पर लगाए गए समाजवादी पार्टी के रक्तदान बैनर को हटाने को लेकर अधीक्षक द्वारा आपत्ति जताई गई। आयोजकों के अनुसार, चिकित्सा अधीक्षक के कहने पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बैनर तो हटा लिया, लेकिन विरोधस्वरूप बिना रक्तदान किए ही वापस लौट गए। इससे करीब 25 से 30 यूनिट अतिरिक्त रक्त संग्रहित होने की संभावना समाप्त हो गई। आयोजकों का कहना है कि यदि सीएचसी प्रशासन/स्टाफ द्वारा रक्तदान करने सहित पूरा सहयोग मिलता तो राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आयोजित यह शिविर कहीं अधिक सफल हो सकता था और कई जरूरतमंद मरीजों के लिए अतिरिक्त रक्त उपलब्ध कराया जा सकता था। स्थानीय लोगों और आयोजकों ने स्वास्थ्य विभाग से पूरे मामले की समीक्षा कर भविष्य में रक्तदान शिविरों के सफल आयोजन के लिए बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की मांग की है।

नाराहट में युवक की गुंडागर्दी से व्यापारी दहशत में व्यापार मंडल ने एसपी से लगाई कार्रवाई की गुहार

मारपीट, जान से मारने की धमकी, अवैध शराब कारोबार और आपराधिक गतिविधियों के आरोप



ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र में एक युवक की कथित गुंडागर्दी और आपराधिक गतिविधियों से परेशान व्यापारियों एवं ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का आरोप है कि आरोपी के आतंक के कारण क्षेत्र के व्यापारी और आम नागरिक भय के माहौल में जीवन यापन कर रहे हैं तथा यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ी अप्रिय घटना हो सकती है। व्यापार मंडल की ओर से दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि ग्राम नाराहट निवासी राहुल यादव पुत्र भानसिंह यादव लगातार क्षेत्र में अराजक गतिविधियों में लिप्त है। आरोप है कि 21 जून 2026 को उसने स्थानीय व्यापारी सृजन सतभैया की दुकान पर पहुंचकर गाली-गलौज, मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में थाना नाराहट में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी आरोपी खुलेआम बाजार में घूमकर पीड़ित को जान से मारने की धमकी दे रहा है, जिससे व्यापारी वर्ग में भय व्याप्त है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि कुछ दिन पहले आरोपी ने एक अन्य युवक पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल का उपचार मेडिकल कॉलेज ललितपुर में चल रहा है। इस मामले में भी आरोपी के विरुद्ध गंभीर धाराओं तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। व्यापार मंडल ने अपने पत्र में आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास भी उल्लेखित किया है। आरोप है कि कुछ वर्ष पूर्व उसने नाराहट बाजार में कई दुकानों में तोड?ोड़ कर व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया था, जिसके संबंध में भी मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके अलावा आरोपी पर क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त होने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी को कुछ स्थानीय पुलिसकर्मियों का संरक्षण प्राप्त होने के कारण उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। व्यापार मंडल ने पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी, उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई तथा क्षेत्र में व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपने वालों में प्रांतीय चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर, जिला महामंत्री अनिल जैन, उपेन्द्र जैन, युवा संगठन महामंत्री अविरल जैन, आईटी सेल अध्यक्ष अंकित सतभैया, पीड़ित सृजन सतभैया, पुष्पेन्द्र यादव सहित व्यापार मंडल के कई पदाधिकारी एवं स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे।

भाकियू (टिकैत) ने किसानों की चार प्रमुख समस्याओं को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन



भूमि धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई, जर्जर राजस्व नक्शे बदलने

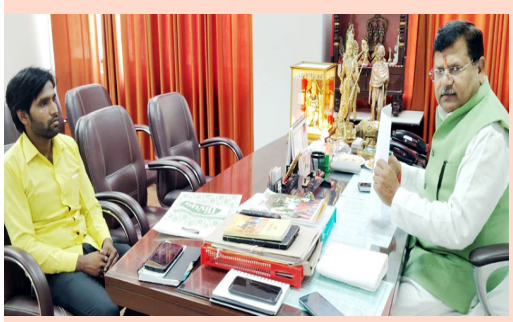
ऑनलाइन रिकॉर्ड सुधार और फसल बीमा की ब्याज सहित राशि दिलाने की उठाई मांग

ललितपुर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने गुरुवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मंडल उपाध्यक्ष (झांसी) कीरत बाबा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे पदाधिकारियों और किसानों ने भूमि विवाद, राजस्व अभिलेखों की खामियां, ऑनलाइन रिकॉर्ड की त्रुटियां तथा फसल बीमा भुगतान में अनियमितताओं जैसे मुद्दों को उठाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पटौरा कलां निवासी शिवलाल पुत्र लल्लू की 4.68 हेक्टेयर पट्टे की भूमि की कथित रूप से फर्जी व्यक्ति खड़ा कर रजिस्ट्री करा ली गई। आरोप है कि ग्राम मुनावली (थाना जाखलौन) निवासी एक व्यक्ति द्वारा इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया गया। यह मामला पिछले चार-पांच वर्षों से न्यायालय में लंबित है। संगठन ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए मामले का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की। भाकियू ने तहसील तालबेहट के ग्रामीण क्षेत्र तथा तालबेहट नगर के मुख्य राजस्व नक्शों की जर्जर स्थिति का भी मुद्दा उठाया। ज्ञापन में कहा गया कि नक्शे पूरी तरह फट चुके हैं, जिससे सीमांकन, नामांतरण और अन्य राजस्व कार्यों में किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने पुराने नक्शों के स्थान पर नए राजस्व नक्शे तैयार कराने की मांग की। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि तहसील तालबेहट तथा सदर तहसील के कई गांवों में किसानों के नाम और हिस्सेदारी का ऑनलाइन रिकॉर्ड गलत दर्ज हो गया है। इन त्रुटियों को सुधारने के लिए किसानों को मुकदमेबाजी का सामना करना पड़ रहा है। भाकियू ने मांग की कि विशेष शिविर लगाकर मौके पर ही रिकॉर्ड का सत्यापन कर त्रुटियों का निस्तारण कराया जाए। फसल बीमा के मुद्दे पर संगठन ने आरोप लगाया कि वर्ष 2025-26 में अनेक किसानों को समय पर बीमा का लाभ नहीं मिला। साथ ही लगभग 3500 किसानों का बीमा प्रीमियम बैंकों द्वारा काटे जाने के बावजूद बीमा कंपनी को जमा नहीं कराया गया। संगठन ने दोषी बैंक अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए किसानों को ब्याज सहित फसल बीमा राशि का भुगतान कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान मंडल उपाध्यक्ष कीरत बाबा, मलखान सिंह, रामदास, भगवान सिंह, आनंदू, छक्कीलाल, रशीद कुरैशी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व नपाध्यक्ष स्व. रामदास रायसाहब की स्मृति में बने स्मृति द्वार, राज्यमंत्री से की मांग

भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व क्षेत्रीय मंत्री गन्धर्व सिंह लोधी ने नगर विकास राज्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

अंबेडकर पार्क के पास स्मृति द्वार निर्माण का रखा प्रस्ताव



ललितपुर। पूर्व नपाध्यक्ष एवं ऑनरेरी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट स्व.रामदास रायसाहब की स्मृति को चिरस्थायी बनाने की मांग उठी है। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व क्षेत्रीय मंत्री (कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र) गन्धर्व सिंह लोधी ने उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास राज्यमंत्री राकेश कुमार राठौर गुरुजी को ज्ञापन सौंपकर स्व. रामदास रायसाहब की स्मृति में शहर में एक भव्य स्मृति द्वार का निर्माण कराए जाने का अनुरोध किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि मोहल्ला बड़ापुरा निवासी स्व. रामदास रायसाहब ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में देशहित और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उन्हें ऑनरेरी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट का सम्मान प्राप्त हुआ था। इसके अलावा वे वर्ष 1966-67 में ललितपुर नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष भी रहे और अपने कार्यकाल में नगर के विकास तथा जनकल्याण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। गन्धर्व सिंह लोधी ने कहा कि स्व. रामदास रायसाहब का जीवन वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ऐसे व्यक्तित्व के योगदान को संरक्षित करने और आने वाली पीढ़ि?ों तक उनकी स्मृति पहुंचाने के उद्देश्य से शहर में एक स्मृति द्वार का निर्माण कराया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में राज्यमंत्री से अनुरोध किया गया है कि ललितपुर के जेल चौराहा स्थित अंबेडकर पार्क के समीप उपयुक्त स्थान पर स्व. रामदास रायसाहब की स्मृति में भव्य स्मृति द्वार का निर्माण कराया जाए। इसके लिए नगर पालिका परिषद को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर भूमि चिन्हित कराने की भी मांग की गई है। भाजपा नेता ने विश्वास जताया कि प्रदेश सरकार इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए नगर के गौरवशाली इतिहास से जुड़े इस महत्वपूर्ण व्यक्तित्व को सम्मान देने का कार्य करेगी।

पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?



नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छूएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।



साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध जैसे बयान देने वाले पहले अपने घर की हालत देखें। वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, जनता महंगाई से त्रस्त है और सेना तथा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रही हैं।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान नीति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम भी उठाएगा। आतंकवाद को पालने वालों को अब हर क्षेत्र में जवाब मिलेगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी।

बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

संपादकीय

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की ह्वायर-कानूनीह्व हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपित करार दिया गया है। क्यों..? आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपितों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपितों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? हमें तो राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला लगता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां



निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलाता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फकीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते। उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्वक़ादा, वफा और विरासतह्व के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं। इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?



मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी कराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है।

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-ञ सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की रायभूकंप विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के छोटे झटके एक तरह से राहत का संकेत भी होते हैं क्योंकि इनसे जमीन के भीतर जमा अत्यधिक दबाव धीरे-धीरे बाहर निकलता रहता है। हालांकि, देश की घनी आबादी वाले शहर (जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता) जहां निर्माण मानकों का ठीक से पालन नहीं होता, वहां इनकी वजह से बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। दरअसल सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह सोच खतरनाक हो सकती है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी विज्ञान या इंसान सटीक नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर लावा या हलचल कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है। साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारी रखनी होगी।

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए – अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)

रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)

लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल – एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच



खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे – एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स फाइनल में पहुंची



गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने फ्यूचर स्टार अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स वार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल वार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया मेरठ स्पार्टन्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए; ओपनर बल्लेबाज ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल-आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अथर्व शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़िफ़्टी ने करीम कैपिटल वार्जर्स को नोएडा ब्लेज पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल वार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

● ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज



नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी ड्डष्टि की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन - 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा - 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान - 848 रेटिंग
फिल साल्ट - 792 रेटिंग
पाथुम निसांका - 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है.।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत – भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम



ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल – अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा– मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया

डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन

मिडफील्डर: एड्रोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा

फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला – 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई-ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी – अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक



हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल – आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' – मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास – वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन



जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ढोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (कंएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहा: राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ङ्ग20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह



पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हैली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।



प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए स्ष्टष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'स्ष्टष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स मे खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।



केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। चष्ट्ट ने पिछले चष्ट्ठ सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।



आलोचकों पर बरसे रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' के लॉन्च पर पहुंचे। यहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जो उनकी चुप्पी या उनके बोलने पर हमेशा सवाल उठाते रहते हैं। एक्टर ने कहा कि उनके बोलने और न बोलने दोनों पर ही लोगों को शिकायत रहती है।

75 साल के इस एक्टर ने अपने ऊपर होने वाली लगातार आलोचनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें हाल ही में यह समझ आया है कि आलोचना से बचा नहीं जा सकता। चेन्नई में हुए इस इवेंट में रजनीकांत ने कहा कि अब उन्हें भाषण देने के लिए बुलाए जाने पर हिचकिचाहट होती है, क्योंकि अक्सर उनकी बातों पर चर्चा होने लगती है। उन्होंने कहा कि जब कोई मुझसे बोलने के लिए कहता है, तो मैं हिचकिचाने लगता हूं। क्योंकि जब भी मैं बोलता हूं, तो कोई न कोई समस्या खड़ी हो जाती है, या तो मेरे लिए या आपके लिए। सुपरस्टार ने आगे यह भी कहा कि जब वे बोलते हैं, तो लोग अक्सर उनके बयानों पर सवाल उठाते हैं या तर्क देते हैं कि उन्हें किसी विशेष मुद्दे पर नहीं बोलना चाहिए था। अगर मैं बोलता हूं, तो कुछ लोग कहेंगे, 'उन्होंने अभी क्यों बोला?' जबकि अन्य कहेंगे कि उन्हें बोलना ही नहीं चाहिए था। कई साल बाद मुझे एक बात समझ आई है, जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे हमें तब भी पसंद नहीं करेंगे, चाहे हम कुछ भी कर लें। यह सोचना बेवकूफी है कि जो लोग हमें पसंद करते हैं, वे हमारे हर काम को पसंद करेंगे। इसलिए सावधान रहना जरूरी है। हर किसी से अपने कामों के लिए मंजूरी की उम्मीद करना सही नहीं है और लोगों को सावधान रहना सीखना चाहिए।

रजनीकांत की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

हाल ही में रजनीकांत को उनके राजनीतिक रुख या राजनीतिक नेताओं के साथ मुलाकातों के लिए काफी ट्रोल किया गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास डायरेक्टर नेल्सन की 'जेलर 2' भी है, जिसके कुछ महीनों में रिलीज होने की उम्मीद है। वहीं कमल हासन के साथ उनकी फिल्म, जिसे नेल्सन डायरेक्ट करेंगे, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।



मेरे लिए करियर का टर्निंग पॉइंट है 'वेलकम टू द जंगल'

भोजपुरी स्टार और सिंगर अक्षरा सिंह इन दिनों काफी खुश हैं। हाल ही में वे बॉलीवुड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के गाने 'घिस घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ नजर आई हैं। इसके बाद अब उन्होंने गाने के बाद मिली पॉपुलैरिटी को लेकर और अक्षय कुमार के साथ काम करने पर बात की है। एक इंटरव्यू में अक्षरा सिंह ने कहा, 'मैं अहमद सर, गणेश आचार्य सर और अक्षय सर की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है और मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट है। मैं इसे हमेशा याद रखूंगी।'

अक्षरा ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें इस गाने के लिए फोन आया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें थोड़ा डर लगा था। अक्षरा ने कहा, 'मुझे अहमद सर के प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया और बताया गया कि 'वेलकम टू द जंगल' में एक गाना है, जो मुझे करना है। पहले मैं थोड़ा हिचकिचाई, लेकिन बाद में गणेश आचार्य सर का फोन आया और उन्होंने मुझे समझाया। जैसे ही मैंने उनका और अक्षय सर का नाम सुना, मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई।'

मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था

उन्होंने आगे कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी थी, लेकिन मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था। मैं इतनी घबराई हुई थी कि वॉशरूम तक जाना पड़ा। यह मेरे लिए एक फैनगर्ल मोमेंट था। कल तक मैं टीवी पर अक्षय सर की फिल्में देखती थी और ताली बजाती थी, और आज उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। मुझे लगा जैसे जिंदगी खुद अपनी कहानी लिख रही है।'

अली गोनी से शादी के लिए तैयार हैं जैस्मिन भसीन

टीवी सीरियल की दुनिया में अली गोनी और जैस्मिन भसीन चर्चित नाम हैं। दोनों काफी समय से रिलेशनशिप में भी हैं। शादी को लेकर भी यह कपल सीरियस है। हाल ही में अली गोनी ने एक इंटरव्यू में जिक्र किया कि वह शादी को लेकर प्लान बना रहे हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई हालिया बातचीत में अली गोनी ने कहा, 'मेरी मम्मी बोल रही हैं कि शादी कर लो। जैस्मिन भी तैयार है, मैं भी बिल्कुल तैयार हूं।' आगे वह थोड़ा शरमाते हैं और कहते हैं, 'हो सकता है कि जल्द ही आपको कोई खबर मिले। प्लान हो सकता है।' अली गोनी ने साल 2020 में डेट करना शुरू किया था लेकिन शुरुआत में अपना रिश्ता छिपाकर रखा। फिर अचानक अली गोनी जैस्मिन से मिलने के लिए 'बिग बॉस 14' रियलिटी शो में पहुंचे। इस दौरान ही फैंस को इनके रिश्ते के बारे में पता चला। आगे चलकर दोनों ने अपना रिलेशनशिप पब्लिक के सामने स्वीकार भी किया। अली गोनी जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। एक्टिंग के अलावा वह बिजनेस भी करते हैं। पिछले दिनों 'लापटर शेफ 3' में भी नजर आए। इस शो में वह अपने मस्ती भरे अंदाज और कुकिंग स्किल्स की वजह से पॉपुलर हुए।





रीशूट होगी सिद्धार्थ तमन्ना स्टारर 'वन'

इंडियन सिनेमा में पिछले कुछ वर्षों में हॉरर फिल्मों की भाषा तेजी से बदली है। अब केवल डराने वाले सीन नहीं, बल्कि माहौल, लोककथाएं और मनोवैज्ञानिक तनाव भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसी बदलते दौर में 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपने एक्स्ट्रा शूट शेड्यूल को लेकर चर्चा में है। फिल्म की टीम ने करीब 10 दिनों की नई शूटिंग का फैसला किया है। यह निर्णय किसी तकनीकी कमी या कहानी में बड़े बदलाव की वजह से नहीं लिया गया, बल्कि इसलिए कि फिल्म के हॉरर, सस्पेंस और खासकर अंतिम हिस्से को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि टीम मौजूदा फुटेज से संतुष्ट है, लेकिन उन्हें लगा कि क्लाइमैक्स में कुछ ऐसे अवसर मौजूद हैं जिनसे तनाव और सिनेमाई असर को अगले स्तर तक ले जाया जा सकता है। घने जंगल और लोककथा के जरिए कहानी में पैदा होगा डर निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा और अरुनाभकुमार इस फिल्म को पारंपरिक हॉरर से अलग रूप देना चाहते हैं। फिल्म भारतीय लोककथाओं, जंगलों और रहस्यमयी मान्यताओं से प्रेरित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहानी में बिहार के दरभंगा क्षेत्र और छठ पर्व की सांस्कृतिक झलक भी शामिल की गई है।



फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा

सूत्रों के अनुसार फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा। कई हिस्सों की शूटिंग वास्तविक लोकेशनों पर और सीमित कृत्रिम रोशनी के बीच की गई है ताकि सीन्स ज्यादा वास्तविक और रहस्यमयी महसूस हों। मेकर्स का फोकस ऐसे अनुभव पर है जहां हर आवाज और हर छाया कहानी का हिस्सा लगे।

फाइनल कट के बाद टीम को लगा कुछ कमी रह गई है

बताया जा रहा है कि फाइनल कट देखने के बाद टीम को लगा कि अंतिम हिस्से में तनाव और भावनात्मक असर को और बढ़ाया जा सकता है। इसी वजह से कुछ हॉरर सीक्वेंस और क्लाइमैक्स वाले विजुअल्स पर दोबारा काम किया जा रहा है। यह प्रक्रिया बड़े स्केल की फिल्मों में अक्सर अपनाई जाती है ताकि दर्शकों को ज्यादा इमर्सिव अनुभव मिल सके।

वीएफएक्स के साथ बनेगा नया सिनेमैटिक यूनिवर्स

फिल्म में वीएफएक्स और प्रैक्टिकल इफेक्ट्स दोनों का मेल रखा गया है ताकि स्क्रीन पर कृत्रिमता कम लगे। रिलीज से पहले 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी लाई गई है।

हम पूरी श्रद्धा के साथ 'रामायण' बना रहे हैं

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म से रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद से फैंस इस फिल्म की हर अपडेट को लेकर और भी उत्सुक हैं। फिल्म की कास्टिंग से लेकर इसके बड़े पैमाने और वीएफएक्स तक कई वजहों से इसकी चर्चा हो रही है। अब फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे ने दर्शकों के लिए एक मैसेज में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदों पर बात की है।

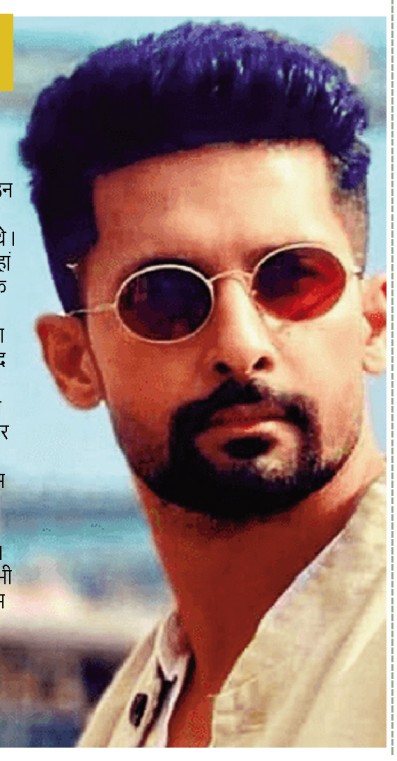
हम पूरी तरह से इसके साथ न्याय करने की कोशिश कर रहे हैं

हालिया बातचीत में रवि दुबे ने फिल्म और इसे बनाने के तरीके के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत और रामायण एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। वे एक ही हैं। जहां तक तैयारी की बात है, हम उस पर बाद में चर्चा करेंगे। यह हमारा इतिहास और हमारी धरोहर है और हम इस पर जितना ज्यादा काम कर सकते हैं, अपनी क्षमता के अनुसार इसके साथ न्याय करने की उतनी ही कोशिश करेंगे। यह एक शानदार अनुभव रहा है। फिल्म से दर्शकों को क्या उम्मीद करनी चाहिए, इस बारे में बात करते हुए रवि दुबे ने कहा कि हम यह फिल्म पूरी श्रद्धा के साथ बना रहे हैं। आप भी श्रद्धा के साथ इंतजार करें।

फिल्म से सामने आ चुका है रणबीर का लुक

इस साल की शुरुआत में 'रामायण' का पहला लुक यानी टीजर जारी किया गया था। इसमें रणबीर को भगवान राम के रूप में दिखाया गया था, साथ ही उन असुरों की झलक भी थी जिनसे वे लड़ते हैं, रावण की झलक और युद्ध के भी कई सीन दिखाए गए थे। इस टीजर को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। जहां कई लोगों ने राम के किरदार में रणबीर की तारीफ की थी। हालांकि, वहीं इतनी बड़ी फिल्म के वीएफएक्स की आलोचना भी हुई। तब से कई लोग इस उम्मीद में अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं कि वीएफएक्स को बेहतर कर लिया गया होगा। मेकर्स ने भी वीएफएक्स पर काम करने की बात कही थी।





इम्तियाज अली नहीं बनाना चाहते अपनी फिल्मों का सीक्वल



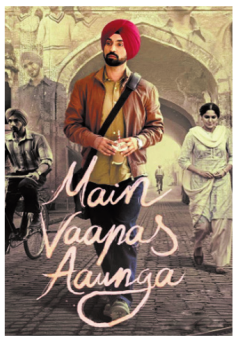
इम्तियाज अली हिंदी सिनेमा के उन फिल्मकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने प्रेम कहानियों और रिश्तों को एक अलग नजरिए से पर्दे पर पेश किया। 'जब वी मेट', 'लव आजकल' और 'रॉकस्टार' जैसी उनकी फिल्में कल्ट क्लासिक में गिनी जाती हैं और दर्शक भी आए दिन इन फिल्मों के सीक्वल की मांग करते हैं। मगर इम्तियाज अली सीक्वल बनाने में यकीन नहीं रखते। इम्तियाज अली इस वक्त अपनी हालिया रिलीज 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है, खूब कमा रही है और तारीफें बटोर रही है। जब इम्तियाज अली से पूछा कि क्या वह अपनी किसी फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर कोई ऐसी कहानी है जो नेचुरली आए और लगे कि यह सीक्वल हो सकता है, तब तो ठीक है। वरना सिर्फ मार्केटिंग के लिए सीक्वल बनाने में मैं यकीन नहीं करता हूं। मुझे मालूम है कि अगर 'जब वी मेट' या 'रॉकस्टार' का सीक्वल बनेगा तो कम से कम लोगों में जिज्ञासा आएगी और बॉक्स ऑफिस पर एक ओपनिंग लग जाएगी। तब क्या होगा कि फिल्म कैसी भी हो, पैसे तो बन ही जाएंगे। मगर मेरी यह सोच नहीं है और न मुझे यह पसंद है। वैसे मैं सीक्वल्स के पक्ष में नहीं रहता क्योंकि बतौर फिल्ममेकर आपको मजा भी तब आता है, जब आप एक नए रास्ते पर निकलते हो।'

हर फिल्म पिछली से जुदा क्यों?

इम्तियाज की ज्यादातर फिल्में अपनी पिछली फिल्म से बिल्कुल जुदा होती हैं। इस बारे में वह कहते हैं, 'मुझे पहले वाला काम पसंद नहीं आता। जो काम मैं कर चुका हूं, दोबारा करने में उतना मजा नहीं आता है और मुझे ऐसा लगता है कि हम अलग-अलग तरह की फिल्में बनाकर बहुत कुछ सीख रहे हैं। तो एक तरह के अनुभव से आपने कुछ सीखा, दूसरे से आप कुछ और सीखोगे।'

युवा चाहते हैं उम्र भर चलने वाली मोहब्बत

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' विभाजन के समय शुरू हुई प्रेम कहानी पर आधारित है। मगर इस तरह की कहानियों पर फिल्में दशकों से बन रही हैं। तो फिर क्यों इम्तियाज ने यह विषय चुना?



वह कहते हैं, 'इस फिल्म को बनाने की सोच तो विभाजन और उसकी जो लव स्टोरीज हैं, उनसे शुरू हुआ। इसको देखकर जो आज के लोग हैं, वो बहुत हैरान होते हैं। वो यह सोचकर हैरान हैं कि हमारे दादाजी 78 सालों बाद भी किसी को याद कर रहे हैं। वो कहते हैं कि ऐसा हमारी जिंदगी में क्यों नहीं मुमकिन हो सकता। हमें भी इस तरह की मोहब्बत चाहिए जो उम्र भर चले।' इस फिल्म में लीड किरदार दिलजीत ने निभाया है जो उनकी पिछली फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के भी हीरो थे। इस पर इम्तियाज कहते हैं, 'पहली बार ऐसा हुआ है कि एक ही एक्टर दो फिल्मों में लगातार एक के बाद एक कास्ट हुआ हो। और यह संजोग है कि दोनों फिल्मों के लिए दिलजीत ही फिट थे। जब हम 'चमकीला' कर रहे थे तो इस फिल्म में भी वही एक्टिंग करेंगे, इस बात का कोई पता नहीं था। यह कैरेक्टर भी उस वक्त तक पूरी तरह से बना नहीं था।

प्रेम की परिभाषा बहुत बदली है

'जब वी मेट' को करीब-करीब दो दशक का समय हो चुका है। इतने समय में प्यार को लेकर विचारों में क्या बदलाव आया है? यह पूछने पर इम्तियाज कहते हैं, 'परिभाषा हमेशा बदलती रहती है। पहले लगता है कि यही एक परिभाषा है। इतनी सारी फिल्मों के बाद हर चीज की समझ, पहचान और परिभाषा बदली है। जिसको हम प्यार कहते हैं या प्रेम का रिश्ता कहते हैं, उसकी परिभाषा बहुत ज्यादा बदली है। जो भी बदलाव आया है, वह मेरे ख्याल से मेरी फिल्मों में ही झलकेगा।'

ओटीटी चैलेंज नहीं सुविधा है

जब उनसे पूछा गया कि क्या ओटीटी के दौर में आप कोई चैलेंज महसूस करते हैं? तो वह बोले, 'ओटीटी आज के दौर में चैलेंज नहीं है। असल में यह एक सुविधा है हमारे पास कि हम इस तरह की भी कहानियां बना सकते हैं। जैसे 'चमकीला' ओटीटी के लिए थी। एक और शो भी हम बना रहे हैं, सीरीज भी बना रहे हैं। तो वह सब ओटीटी में आएंगी। इसको मैं चैलेंज नहीं समझता, बल्कि यह एक अच्छी चीज है कि हमारे पास दूसरा भी साधन मौजूद है। अगर चाहें तो हम उसमें भी काम कर सकते हैं। एक और अच्छी चीज इसमें यह होगी कि हमें समझ में आ जाएगा कि ओटीटी के शो बनाने के लिए कौन सी कहानी फिट है और बड़े पर्दे के लिए कौन सी कहानी बेहतर है।'



कोलेजेन फिलर्स या इंजेक्शन्स को सॉफ्ट-टिश्यु ऑगमेंटेशन के रूप में जाना जाता है। इसे त्वचा को मुलायम बनाने के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया रिंकल्स, फाइन लाइन्स, त्वचा डिप्रेसन्स तथा दाग धब्बे आदि को ठीक करती है।

त्वचा मुलायम बनाए कोलेजेन फिलर्स

कोलेजेन फिलर्स को पतले होठों को मोटा बनाने के लिए भी प्रयोग किया जाता है। शरीर के लिये कोलेजेन का प्राकृतिक रूप से बनना इसे कॉस्मेटिक उद्देश्यों के लिए बेस्ट फिलर बनाता है, क्योंकि शरीर इसे ज्यादा सहजता से स्वीकार कर लेता है और जोखिम बहुत कम रहते हैं।

नया रूप निखारती त्वचा

इस प्रक्रिया के दौरान जिस हिस्से को कॉस्मेटिक उद्देश्य के लिये बढ़ाया जाना है, उस पर कोई सुन्न करने वाला पदार्थ लगाकर या लोकल एनेस्थेसिया की छोटी खुराक से सुन्न किया जाता है। इसके बाद इंजेक्टेबल फिलर्स को त्वचा के उस हिस्से में इंजेक्ट किया जाता है, जिसे बढ़ाया या उभारा जाना है। इंजेक्शनों में कुछ मिनट लगते हैं, लेकिन कुछ रिंकल्स या छिपे हुए दागों के कारण कई इंजेक्शनों की जरूरत हो सकती है, जो कि उस दशा पर निर्भर होते हैं, जिसे निर्धारित ट्रीटमेंट कोर्स के जरिए ट्रीट किया जाना हो। अपनी अपेक्षाओं को अपने डॉक्टर से बताएं, जिससे आपको इस बारे में बेहतर सुझाव मिल सकेंगे कि आपको कितने अधिक ट्रीटमेंट्स की जरूरत होगी, क्योंकि दशा की गंभीरता के अनुसार अनेक इंजेक्शनों की जरूरत हो सकती है।

पोटेंशियल कस्टमर

निम्न त्वचा समस्याएं हों तो वे इंजेक्टेबल फिलर्स के ट्रीटमेंट की चाह कर सकते हैं। यह एक कॉस्मेटिक प्रक्रिया है, जो त्वचा समस्याओं को अस्थाई रूप से ट्रीट करके केवल त्वचा की दिखावट को सुधारती है।

- फेशियल क्रीजेज या रिंकल्स।
- दाग। - पतले होठों को मोटा बनाना। - चेहरे के हल्के नाक-नक्श। - शिथिल (सैगिंग) त्वचा।

इसमें है जोखिम

कोलेजेन या इंजेक्टेबल फिलर्स एक नॉन-इन्वेसिव प्रक्रिया है और यदि सुयोग्य तथा अनुभवी डॉक्टर से कराई जाए तो इसके जोखिम काफी कम होते हैं और उत्पन्न हो सकने वाली कोई समस्या शायद ही कभी सीरियस होती है।

इंफेक्शन

- सूजन
- खुले हुए जख्म
- त्वचा सतह की पीलिंग
- उभरे हुए दाने आदि बनना
- दाग रह जाना

बताए गए जोखिम केवल तभी उत्पन्न होते हैं, जब इस प्रक्रिया को किसी अकुशल डॉक्टर द्वारा किया जाता है।

एलर्जी

कोलेजेन के अलावा अन्य सिंथेटिक फिलर्स उपयोग किए जाने पर एलर्जी का खतरा सबसे ज्यादा होता है, लेकिन यदि एलर्जी टेस्ट कर लिया गया है और यह क्लीयर है तो इससे संबंधित कोई समस्या नहीं उत्पन्न होती। पदार्थ के प्रति त्वचा की सेंसेविटी जांचने के लिए डॉक्टर एक महीने से कम समय पहले एक त्वचा टेस्ट करते हैं।

आती है सूजन

ट्रीटमेंट के बाद कुछ सतही धूमिलता का अनुभव हो सकता है, जिसके अलावा ट्रीटेड हिस्से में सूजन, लालिमा और नाजुकपन का अहसास भी हो सकता है। इनमें से ज्यादातर समस्याएं कुछ घंटों या कुछ दिनों में खत्म हो जाती हैं और जल्दी ही सुधार दिखने लगता है।

पूर्व सावधानियां

चूंकि विभिन्न सिंथेटिक फिलर्स का उपयोग इंजेक्टेबल फिलर्स के तौर पर किया जाता है और यहां तक कि बोवाइन कोलेजेन भी उपयोग किया जाता है। इसलिए कुछ मेडिकल कंडीशन्स वाले लोग इनके प्रति ठीक रिएक्ट नहीं करते। ऑटोइम्यून बीमारियों वाले या हर्पीज हिस्ट्री वाले लोगों को यह प्रक्रिया नहीं करानी चाहिए। गर्भवती या दूध पिलाने वाली महिलाओं के लिए भी इन प्रक्रियाओं की सिफारिश नहीं की जाती है।

ऑफ्टर केयर

प्रक्रिया के बाद कुछ लालिमा, सूजन और नाजुकपन दिखाई पड़ता है। ट्रीटेड हिस्से को अगले कुछ घंटों तक छुएं नहीं। त्वचा पर से सूजन और लालिमा खत्म हो जाने तक ज्यादा गर्म तापमान में एक्सपोज़र व सन एक्सपोज़र से बचें। कुछ दवाएं जैसे कि एस्पिरिन आदि ट्रीटेड हिस्से में जलन बढ़ा सकती हैं। यदि लक्षण एक हफ्ते से अधिक वक्त तक बने रहें तो अपने डॉक्टर से सलाह लें।

प्लास्टिक बर्तनों से बीमारी



अगर आप घर में प्लास्टिक के बर्तन यूज कर रही हैं तो संभल जाइए। घटिया प्लास्टिक से बने बर्तन बीमारी का कारण बन सकते हैं, क्योंकि इनके द्वारा शरीर में खतरनाक पदार्थों के प्रवेश की आशंका बनी रहती है।

प्लास्टिक के बारे में थोड़ी-सी भी जानकारी रखने वाले अब तक यह तो समझ ही गए होंगे कि प्लास्टिक हमारे पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक होती है, क्योंकि पानी या मिट्टी में लंबे समय तक रहने के बाद भी यह न तो गलती है और न ही सड़ती है। इसके ये गुण ही पर्यावरण के दुश्मन बन गए हैं, परन्तु यह तो इसका केवल पर्यावरणीय पक्ष ही है। इसका एक दूसरा पक्ष भी है, जो कि सीधा हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। हमारे घरों में आजकल प्लास्टिक के बर्तनों, डिब्बों और पैकेजिंग सामग्री के रूप में प्लास्टिक का राज-सा होता जा रहा है, क्योंकि प्लास्टिक के ये बर्तन आदि न तो गिर कर टूटते हैं और न ही पानी से भीग जाने पर इनके गलने, सड़ने या क्षरण का खतरा होता है। इसके अलावा ये हल्के, सस्ते व सुविधाजनक भी बहुत होते हैं। कदाचित यही वे कारण है कि आजकल प्लास्टिक हमारे जीवन का एक अभिन्न व अनिवार्य-सा अंग बन गया है।

प्रचलन बढ़ा तेजी से

प्लास्टिक के बर्तनों का प्रयोग भले ही खाना बनाने के लिए नहीं किया जाता हो, लेकिन इसका उपयोग खाने-पीने के सामान को रखने के लिए बहुत किया जाने लगा है। आजकल दूध, घी, दालें, चीनी, चाय आदि लगभग सभी तरह की वस्तुएं प्लास्टिक से बने डिब्बों, बोतलों या थैलियों वगैरह में आने लगी हैं। इसी प्रकार स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों के लंच बॉक्स और पानी की बोतलें भी प्लास्टिक के ही दिखाई देने लगे हैं। किन्तु अगर ये चीजें घटिया प्लास्टिक से बनी हों तो ये बीमारी का कारण भी बन सकती हैं, क्योंकि इनके द्वारा शरीर में खतरनाक पदार्थों के प्रवेश की आशंका बनी रहती है।

निकलता है जहरीला पदार्थ

इस विषय में हुए विभिन्न शोधों एवं अध्ययनों में पता चला है कि जब गरम खाद्य पदार्थों को प्लास्टिक के बर्तनों आदि में रखा जाता है तो प्लास्टिक में से बिसफिनाल-ए (बीपीए) नामक एक जहरीला रसायन निकलकर खाद्य पदार्थों में मिल जाता है। इसका प्रयोग पॉली कार्बोनेट प्लास्टिक के निर्माण में होता है, जो कि रंगहीन, मजबूत व चलाऊ होती है।

कितना लें कैल्शियम

पूरक पर नहीं निर्भर

एक स्वस्थ आहार का अर्थ है दिन में 200 से 300 मिलीग्राम कैल्शियम लेना। इसमें फल और सब्जियां होनी चाहिए। जैसे-बीज, अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियां। लेकिन 1 कप दूध से शरीर में 300 मिलीग्राम कैल्शियम की मात्रा जुड़ जाती है और दही से 150 से 200 मिलाग्राम कैल्शियम। सभी दूध के उत्पादों को अपने आहार में शामिल कर और कुछ मात्रा में फल और सब्जियां लेने से शरीर में 600 से 800 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है।

किस तरह से लेना चाहिए

कैल्शियम के पूरक कैल्शियम साइट्रेट या कैल्शियम कार्बोनेट से बने होते हैं। कैल्शियम के पूरक जिनमें पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम कार्बोनेट होती है, उन्हें खाने के बाद लेना चाहिए। क्योंकि उन्हें पेट में मौजूद एसिड को अवशोषित करने की जरूरत होती है। कैल्शियम साइट्रेट पेट में मौजूद एसिड पर निर्भर नहीं होता और इसलिए इसे दिन में किसी भी समय लिया जा सकता है।

क्या गुर्दे की पथरी हो सकती है?

अधिकतर स्थितियों में ऐसा पाया गया है कि 80 से 85 प्रतिशत स्थितियों में पथरी कैल्शियम से बनी होती है। लेकिन सदियों से हो रहे शोधों से ऐसा पता चला है कि आहार के माध्यम से अधिक मात्रा में कैल्शियम लेने से गुर्दे की पथरी का खतरा कम हो जाता है ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कैल्शियम से आक्जलेट का अवशोषण कम हो जाता है। आक्जलेट वो अणु है जो कैल्शियम से जुड़कर गुर्दे की पथरी का कारण बन सकता है। दूसरे कई शोधों से भी ऐसा ही पता चला है कि हम सभी आहार के पोषण मूल्यों को दवाओं और पूरक की तुलना में आहार से कहीं आसानी से ले सकते हैं। विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि दूध के उत्पाद और दही खनिज के आदर्श स्रोत हैं। इसके विरोध में कुछ शोधों के अनुसार डेयरी के आहार से कैंसर का भी खतरा हो सकता है। अंततः यह ना केवल मानी हुई बात है बल्कि यह एक राय भी है कि जिन सब्ज़ियों में कैल्शियम अधिक मात्रा में होता है जैसे पालक, अम्लान, बोनी मछली, सहजन उन्हें अधिक मात्रा में लेना चाहिए क्योंकि इनसे शरीर में कैल्शियम की आपूर्ति होती है।

कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि कैल्शियम के पूरक लेने से हड्डियां मजबूत और स्वस्थ होती हैं और आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी के दूर रहने के साथ-साथ हड्डियों के टूटने का भी खतरा कम होता है। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि कैल्शियम के रूपक लेने से इनके अतिरिक्त प्रभाव होते हैं। इसलिए कैल्शियम से संबंधी भ्रम का समाधान निकालने के लिए यहां कई प्रकार के भ्रम का समाधान बताया जा रहा है।

किस मात्रा में लेना चाहिए

विशेषज्ञों के अनुसार एक वयस्क व्यक्ति (जिसकी उम्र 19 से 50 वर्ष हो) उसे दिनभर में लगभग एक हजार मिलीग्राम कैल्शियम लेना चाहिए और 50 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को बारह सौ मिलीग्राम कैल्शियम की मात्रा लेनी चाहिए।



कैल्शियम से संबंधी चुनौतियां सदियों से चली आ रही है और यह स्थिति आज भी वैसी ही है। हमें दिनभर में कितनी कैल्शियम की जरूरत पड़ती है यह जानना जरूरी है।



क्या फ्रैक्चर से बच सकते है?

विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि बहुत अधिक मात्रा में कैल्शियम लेने का अर्थ यह नहीं है कि हमारे रक्त में अधिक मात्रा में कैल्शियम होगा। अगर रक्त में कैल्शियम अधिक मात्रा में नहीं है हड्डियों के रिज़र्पशन से वो सामान्य स्थिति में आ जाती है और ऐसे में हड्डियां और कमज़ोर हो जाती हैं जिससे कि फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है।

बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में निषाद पार्टी ने दिखाई संगठनात्मक ताकत

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने मुगलों- अंग्रेजी शासन विपक्षी दलों पर साधा निशाना

कालपी (जालौन) गुरुवार को कालपी में आयोजित निर्वल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी के बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन देखने को मिला। सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने,समाज की गरीबी दूर करने तथा चुनावों की तैयारियों में पूरी सक्रियता एवं ताकत से जुटने का आह्वान किया।

टरननगंज कालपी के एक वैवाहिक सभागार में आयोजित बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन में डॉ. संजय निषाद ने आरोप लगाया कि मुगल शासन, अंग्रेजी हुकूमत तथा आजादी के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकारों ने निषाद समाज के साथ अन्याय किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक समाज को उसके अधिकारों से वंचित रखा गया, जबकि निषाद पार्टी समाज के सम्मान, अधिकार और हिस्सेदारी के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। निषाद पार्टी की सत्ता में साझेदारी तथा ताकत से गरीबी को दूर करने की सक्रियता से जुटने का आव्हान किया।

प्रदेश के मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ निषाद ने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और आगामी चुनावी रणनीति पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में पार्टी के





पदाधिकारी, कार्यकर्ता रामकिशोर गुप्ता, भारत निषाद, देवदत्त निषाद, मन्नू लाल निषाद, मनोज निषाद, नरेंद्र निषाद, महेंद्र निषाद, सत्य प्रकाश निषाद, एवं बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे।

भाजपा के गठबंधन से तय होगी चुनावों की सीटें - डॉ निषाद

कालपी (जालौन)

220 विधानसभा कालपी से 2022 के चुनाव में भाजपा गठबंधन से निषाद पार्टी के चुनाव चिन्ह थाली के निशान से छोटे सिंह चौहान चुनाव मैदान में उतरे थे??। लेकिन मात्र 2 हजार वोटो से पराजित हो गये थे। समझा जाता है कि इस बार कालपी सीट गठबंधन के तहत निषाद पार्टी के खाते में जा सकती है। इसी को लेकर पत्रकारों के जवाब में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद ने बताया कि पिछली बार भाजपा से गठबंधन करके प्रदेश में 16 सीटों पर निषाद पार्टी मैदान में उतरी थी। उन्होंने संकेत दिया कि 2022 में जिन सीटों में अपने साथ पार्टी मैदान में उतरी थी। उन सीटों पर 2027 के चुनाव में भी निषाद पार्टी अपने उम्मीदवार उतार सकती है?। उन्होंने बताया कि इसके लिए गठबंधन के तहत फार्मूला तय होगा। कुछ भी हो आज निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं की भीड़ से महसूस हुआ के 220 विधानसभा सीट कालपी में एक बार फिर से गठबंधन के तहत निषाद पार्टी के उम्मीदवार का खाते में जा सकती है। आज के कार्यकर्ता सम्मेलन में कालपी के इतिहास एवं क्रांतिकारी पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए वीरांगना लक्ष्मीबाई तथा कालपी निवासी पूर्व सांसद फूलन देवी के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई है।

IGRS पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के शत-प्रतिशत निस्तारण में परिक्षेत्रों की रैंकिंग में झांसी रेंज ने लगातार 06वीं बार प्राप्त किया प्रथम स्थान

'जनपद झाँसी एवं जनपद जालौन लगातार 06वीं तथा जनपद ललितपुर ने भी माह जून में प्राप्त किया प्रथम स्थान'

÷रेंज के जनपद प्रभारी प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों गुणवत्तापूर्ण / समयबद्ध कराएं विधिक निस्तारण÷

मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (द्वितत्रर) में माह जून ,2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त होने पर श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र, झांसी श्री आकाश कुलहरि महोदय के कुशल निर्देशन में आईजीआरएस / समाधान पोर्टल पर माह जून, 2026 में जो शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये उनका शासन की मंशानुरूप नियत समय में विधिक निस्तारण



किया गया जिससे (द्वितत्रर) पोर्टल पर प्राप्त होने वाली माह-जून 2026 मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के परिक्षेत्रों की रैकिंग में झांसी परिक्षेत्र ने वर्ष 2026 में लगातार 06वीं बार प्रथम रैंक प्राप्त की है साथ ही रेंज के समस्त जनपदों ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है जिसकी आईजी महोदय द्वारा सराहना कर उत्साहवर्धन किया गया ।

आई.जी. महोदय द्वारा प्रभारी आई.जी.आर.एस./ सीसीटीएनएस उ0नि0 श्री राजेश सिंह, रेंज कोर्डिनेटर श्री विमल कुमार श्रीवास्तव, मु0आ0 श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्रीमती प्रियंका गुप्ता कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए को उत्साहवर्धन हेतु नकद पुरुष्कार से पुरुष्कृत किया गया है।

महोदय द्वारा परिक्षेत्र के जनपद प्रभारियों को (IGRS) प्रणाली से प्राप्त शिकायतों का उच्चकोटि की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने एवं जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर शासन के मंशानुरूप पूर्ण मनोयोग से उनकी समस्याओं के विधिक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है जिससे आमजनमानस में पुलिस की उत्कृष्ट छवि, निष्पक्ष कार्यप्रणाली एवं विश्वसनीयता की भावना बरकरार रहे एवं शिकायतों में निरन्तर कमी हो ।

पुलिस अधीक्षक, ललितपुर के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति/एण्टी रोमियो टीमों द्वारा चलाया गया मिशन शक्ति अभियान।





उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत श्रीमान् पुलिस अधीक्षक, ललितपुर श्री मो0 मुश्ताक के निर्देशन में आज दिनांक 02.07.2026 को जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति/एण्टी रोमियो टीमों द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान बस स्टैण्डों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं, छात्राओं एवं बालिकाओं को पम्पलेट वितरित कर जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं हेल्पलाइन नम्बरों जैसे डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वूमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, वन स्टॉप सेंटर-181, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108 तथा साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों, साइबर अपराधों से बचाव तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं का तत्काल उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।

नगर निगम द्वारा सीपरी बाजार में अतिक्रमण अभियान चलाया

अवैध ठेले वालों से वसूला 45 हजार रु जुर्माना



सिद्धि सरकार ब्यूरो
अनसारहुसैन

झांसी नगर आयुक्त के निर्देशन में अधोहस्ताक्षरी (अपर नगर आयुक्त) द्वारा सीपरी बाजार गुरूनानक चौक से आर्य कन्या चौराहा एवं सब्जी मण्डी के आस-पास अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया जिसमें रोड पटरी पर किये गये हुकुर अतिक्रमण को हटाया गया साथ ही सम्मानित व्यापार बन्धुओं से वार्ता की गयी जिसमें बाजार को अतिक्रमण मुक्त तथा दुकान की सीमा तक सामान रखने हेतु कहा गया इसके साथ-साथ अवैध रूप से लगाये गये सड़क पर ठेलों को हटाया गया तथा रू0 45000/- जुर्माना वसूला गया।

उक्त अतिक्रमण विरोधी अभियान में राहुल कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त, सी0पी0पाण्डेय, सहायक नगर आयुक्त, राजवीर सिंह, मुख्य अभियन्ता, कर्नल सुरेश सिंह, प्रभारी प्रवर्तन दल, प्रदीप अग्निहोत्री, सफाई निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

परमपूज्य मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने दी ऐलक दीक्षा -



गुना-- जिले के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र पुण्योदय तीर्थ बजरंगगढ़ चल रहें पंच मुखी पंच कल्याणक महोत्सव के दौरान आज दीक्षा कल्याणक पर आचार्यश्री विद्यासागर जी का स्मरण कर निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने दी क्षुल्लक श्री सुधीरसागर जी महाराज को ऐलक दीक्षा भक्तों की जय जय कार के बीच प्रदान की गई इसके पहले प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया के मंत्रोच्चार के बीच भगवान को पूरे विधि-विधान के साथ दीक्षा संस्कार किये गये

तीसरी बार हुए मुनि पुगंव के कर कमलों से जैनेश्वरी दीक्षा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि गत वर्ष तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने सबसे पहले 23नम्बर को दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी एक साथ चौदह ऐलक दीक्षाये प्रदान की इसके बाद अभी पंच कल्याणक महोत्सव के प्रथम चरण में ऐलक सुमंगलसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री शुभम् सागर जी महाराज को दीक्षा प्रदान की थी एक वर्ष से भी कम समय में ये तीसरा मौका है कि जब परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज द्वारा दीक्षा दी गई है ज्ञातव्य है कि गुना पंच कल्याणक के पहले से ही दीक्षा के कायश लगायें जा रहे थे ??।**इस काल में दुःख नहीं हो तो भी दुःख आने का डर लगा रहता है**-धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि दुखमा काल चल रहा है

पर्यावरण संतुलन के लिए एक वृक्ष मां के नाम लगाकर करें बच्चों की तरह पालन पोषण–जवाहरलाल राजपूत

गुरसरांय में ऐतिहासिक वन महोत्सव सप्ताह का हुआ शुभारम्भ





गुरसरांय(झांसी)- 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वृक्षारोपण महाअभियान के तहत गुरसरांय वन रेंज परिसर में गरौठा विधायक जवाहरलाल राजपूत के मुख्य आतिथ्य व एसडीओ वन विभाग संतोष कुमार के संचालन व वन क्षेत्राधिकारी गुरसरांय राधेश्याम दिवाकर के संयोजन में भव्य वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत ने कहा कि पर्यावरण का बेहतर संतुलन और पर्यावरण से लेकर जल संरक्षण के लिए पर्यावरण संरक्षित रखने के लिए वृक्षारोपण बहुत ही जरूरी है इससे ही मानव से लेकर जीव-जंतु पशु-पक्षी सब सुरक्षित और संरक्षित रहते हैं इसलिए उत्तर प्रदेश शासन की विशेष पहल एक वृक्ष मां के नाम महाअभियान को एक जन आंदोलन के रूप में लोगों को लोगों को अपनाना होगा और वृक्षारोपण कर वृक्षों पौधों को अपने बच्चों के समान पालन पोषण करने को आगे आना होगा। इस दौरान उन्होंने गुरसरांय वन रेंज परिसर को संरक्षित से लेकर और बेहतरीन लुक देने के लिए किये जा रहे प्रयासों के बारे में भी ए टू जेड जानकारी साझा कर बताया कि प्रदेश स्तर से लेकर वन विभाग के अधिकारियों से गुरसरांय रेंज परिसर में फॉरेस्ट पर्यटन के रूप में विकसित कर गुरसरांय नगर की जनता के साथ क्षेत्र की जनता को बेहतरीन वन पर्यावरण रेंज का आकर्षण केंद्र बनाया जावेगा। इस दौरान वन क्षेत्राधिकारी गुरसरांय राधेश्याम दिवाकर ने मुख्य अतिथि जवाहरलाल राजपूत को एक वृक्ष चंदन का लगाने के लिए भी भेंट किया। वही एसडीओ मऊरानीपुर संतोष कुमार ने कहा इस बार चंदन की पौध विकसित कर इसके पौधारोपण और वृक्षारोपण के लिए जो प्रयास किए गए हैं उसमें गुरसरांय और मऊ रेंज का बेहतर काम रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में नगर व ग्रामीण क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थित के बीच वृक्षारोपण होते ही इंद्र भगवान ने 1 घंटे प्रसन्न होकर जल वर्षा कर जल वर्षा कर लग रहा था वृक्ष लगाने के लिए इंद्र भगवान भी पानी पौधों में सींच कर प्रकृति को बचाने का विशेष काम कर रहे हैं। इस दौरान देवेन्द्र सिंह,उप क्षेत्रीय वनाधिकारी,नरेश कुमार उप क्षेत्रीय वनाधिकारी,भागीरथ कुशवाहा उप क्षेत्रीय वनाधिकारी,प्रसान्त सागर वन दरोगा,आकाश वन रक्षक,विजय मोहन सिंह,धर्मेन्द्र कुमार सेन,दीपेन्द्र सिंह,रोहित राजपूत सहित गणमान्य नागरिकों में मनोज कुमार शिवहरे,शैलेंद्र शर्मा सिर्वो,अशोक पटेरिया,अनिल तिवारी,श्याम सुन्दर विश्वकर्मा,वीरेन्द्र हरदास,रामकुमार,हरगोविन्द्र,उस्मान,राकेश, आदित्य,जितेंद्र कुशवाहा,विक्की ठाकुर अस्ता सहित बड़ी संख्या में नगर व क्षेत्र के लोग मौजूद थे। अंत में सभी का आभार व्यक्त वन क्षेत्राधिकारी गुरसरांय राधेश्याम दिवाकर ने किया।

घूघरियाखेड़ी में शहीद राजेंद्र यादव की 27वीं पुण्यतिथि पर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि



घूघरियाखेड़ी, । ग्राम घूघरियाखेड़ी में कारगिल युद्ध के वीर शहीद राजेंद्र यादव की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिक कमलेश पटेल फौजी ने शहीद राजेंद्र यादव को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी धर्मपत्नी वीर नारी श्रीमती प्रतिभा यादव को सम्मान स्वरूप स्मृति-चिन्ह (शील्ड) भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनकी पुत्री मेघा यादव भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष, ऑनरेरी सूबेदार मेजर) जगदीश कटारे, जिला संयोजक सैनिक कल्याण कार्यालय खंडवा, कैप्टन सुरेश चौहान जिला संयोजक खरगोन-बड़वानी सहित जिला खरगोन के समस्त पूर्व सैनिकों ने सहभागिता कर शहीद राजेंद्र यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमलेश पटेल फौजी ने कहा कि शहीद राजेंद्र यादव ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए देश की रक्षा के लिए अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया, जिसे देश सदैव याद रखेगा।

उन्होंने कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान के कारण ही देशवासी सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। युवाओं को शहीद राजेंद्र यादव जैसे वीर सपूतों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रसेवा, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणजन, पूर्व सैनिक, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने शहीद राजेंद्र यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में शहीद के बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प भी लिया गया।

राजेश बर्डे राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा के प्रदेश प्रभारी बने।

खरगोन - राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा संगठन ने सबसे कम उम्र के छोटे लाड़ले युवा राजेश बर्डे को प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया हैं। यह नियुक्ति संगठन के विस्तार और युवा नेतृत्व को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा हैं। राजेश बर्डे कम उम्र में ही संगठन में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं। शासन - प्रशासन के सामने संवैधानिक तरीके से मजबूती से अपनी बात रखने वाले, संघर्षशील और जनता के मुद्दों को उठाने वाले, युवा नेता के रूप में उनकी पहचान बन चुकी हैं।

प्रशिक्षण शिविर



छत्तीसगढ़, नागपुर, होशंगाबाद, दिल्ली, महाराष्ट्र, भोपाल, अहमदाबाद, उतराखंड सहित अन्य राज्यों में शिक्षित प्रशिक्षित हुए।

कम उम्र में बड़ी उपलब्धियां

19 वर्ष की उम्र में जिला प्रभारी

20 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय सचिव

21 वर्ष की उम्र में प्रदेश प्रभारी,

इनकी मेहनत, संघर्ष और संगठन के प्रति समर्पण ने आज उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया हैं। युवा साथियों में इनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही हैं। राजेश बर्डे की यात्रा यह साबित करती हैं कि अगर इरादे मजबूत हो, तो उम्र कभी भी सफलता की राह में रुकावट नहीं बनती। वे युवाओं को अधिकारों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

संगठन ने जताया विश्वास-संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवरावेन भलावी और अन्य पदाधिकारियों ने कहा हैं कि राजेश बर्डे की नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।प्रदेश प्रभारी बनने की खबर से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में हर्ष का माहौल हैं।

मालनपुर थाना प्रभारी ने तिलोरी में लगाई चौथी जन चौपाल, साइबर फ्रेंड पर किया जागरूक, मेधावी छात्रों को बांटे उपहार, मौके पर कराए पारिवारिक विवादों के निपटारे, ग्रामीणों को दी मोबाइल के सुरक्षित उपयोग की सलाह





मालनपुर। पुलिस और जनता के बीच संवाद मजबूत करने की पहल के तहत मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सोनी ने रविवार को ग्राम तिलोरी में चौथी जन चौपाल आयोजित की। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए।थाना प्रभारी सोनी ने बच्चों और युवाओं को मोबाइल के दुरुपयोग और बढ़ते साइबर फ्रॉड के प्रति बारीकी से जागरूक किया। उन्होंने कहा, ÷अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओ टी पी किसी से शेयर न करें और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचें। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की।

गांव में ही सुलझाए छोटे-मोटे विवाद - जन चौपाल का मुख्य उद्देश्य गांव स्तर पर ही छोटे-मोटे आपसी और पारिवारिक विवादों का निपटारा करना था। थाना प्रभारी ने मौके पर ही कई घरेलू मामलों में दोनों पक्षों को समझाइश देकर राजीनामा कराया। उन्होंने कहा, ÷छोटी बातों को थाने-कचहरी तक ले जाने से समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती है। आपस में मिलजुल कर रहें।÷

मेधावी छात्रों का बढ़ाया हौसला - कार्यक्रम के दौरान गांव के मेधावी छात्र-छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा का महत्व समझाया। ÷पढ़-लिखकर ही आप अपने गांव, समाज और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। नशे और अपराध से दूर रहें,÷ उन्होंने छात्रों से कहा।जन चौपाल में मौजूद ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल की खुलकर तारीफ की। ग्रामीणों ने कहा, ÷पहली बार कोई थाना प्रभारी गांव में आकर हमारी समस्या सुन रहा है और बच्चों को सही रास्ता दिखा रहा है। इससे पुलिस का डर खत्म होगा और भरोसा बढ़ेगा।मालनपुर पुलिस द्वारा लगातार आयोजित की जा रही जन चौपाल से ग्रामीणों और पुलिस के बीच की दूरी कम हो रही है और अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है। जन चौपाल में उपस्थिति मंडल अध्यक्ष उदय सिंह कुशवाह एवं गणमान्य नागरिक

गोहद में गहोई वैश्य समाज सेवा समिति द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित, 135 से अधिक मरीजों ने उठाया लाभ



गोहद। गहोई वैश्य समाज सेवा समिति द्वारा रविवार को सदर बाजार स्थित गहोई भवन में विशाल निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जनहित में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में ग्वालियर के प्रसिद्ध जैसवानी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में गोहद एवं आसपास के क्षेत्रों से आए 135 से अधिक मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त एवं आराध्य देव भगवान सूर्यदेव के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में न्यूरो सर्जन डॉ. मयंक जैसवानी ने नस, मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी से संबंधित रोगों के मरीजों की जांच की। वहीं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण जैसवानी ने दांत एवं मसूड़ों की समस्याओं से पीड़ित मरीजों का परीक्षण किया। स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अमृता जैसवानी ने महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय सलाह प्रदान की।

गहोई वैश्य समाज सेवा समिति के अध्यक्ष कमलेश लहारिया ने शिविर के सफल आयोजन पर जैसवानी हॉस्पिटल की चिकित्सक टीम एवं सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज सदैव सेवा और जनकल्याण के कार्यों में अग्रणी रहा है तथा भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य एवं जनहितकारी शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

शिविर के सफल आयोजन पर समाज के सदस्यों ने चिकित्सकों का सम्मान करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने व्यवस्थाओं के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अमहिया पुलिस ने शातिर वाहन चोर को दबोचा, ई-रिक्शा और बाइक बरामद

1.5 लाख का मशरूका जब्त, बाणसागर तालइया के पास छिपाकर रखा था ई-रिक्शा

रीवा। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में अमहिया थाना पुलिस ने वाहन चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का एक ई-रिक्शा और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। बरामद वाहनों की कुल कीमत 1.5 लाख रुपये आंकी गई है।

थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल के अनुसार पहला मामला 14 फरवरी को सामने आया था। फरियादी जितेन्द्र यादव का ई-रिक्शा क्रमांक रू्ा7/छ5245 सिरमौर चौराहा से अज्ञात आरोपी चुरा ले गया था। दूसरा मामला 21 मई का है, जब धर्मेंद्र कुमार शाह की मोटरसाइकिल क्रमांक रू्ा21ब्य546 द्वारिका नगर स्थित घर के सामने से चोरी हो गई थी। दोनों मामलों में थाना अमहिया में धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।



पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। शनिवार को आरोपी मानस भवन रीवा के पास अन्य वाहन चोरी की फिराक में घूमता मिला। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने दोनों वारदातें कबूल कीं।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने बाणसागर तालइया के पास छिपाकर रखा गया ई-रिक्शा और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली।

गिरफ्तार आरोपी- सौरभ पाण्डेय उर्फ अनुराग पाण्डेय, पिता रामविलास पाण्डेय, उम्र 20 वर्ष, निवासी रघुनाथपुर थाना सोहागी, हाल निवास साई मंदिर के पास, थाना सिविल लाइन रीवा।

बरामद मशरूका- एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल कीमत 50 हजार रुपये और एक ई-रिक्शा कीमत 1 लाख रुपये।

आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल, प्र.आर. रामसखा वर्मा, प्र.आर. रामदेव मिश्रा, आर. अनुज सिंह, आर. दिवाकर तिवारी, आर. विकास तिवारी, आर. कौशलेंद्र सिंह और म.आर. श्रद्धा सिंह की मुख्य भूमिका रही।

विधायक विक्रम सिंह विक्की भैया का छिबौरा चौराहे पर जोरदार स्वागत





सतना, रामपुर बाघेलान। रामपुर बाघेलान के लोकप्रिय विधायक विक्रम सिंह %विक्की भैया% का शनिवार को छिबौरा चौराहा पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। देवमऊ दलदल स्थित इंडेन गैस के मैनेजर अभिषेक सिंह विकास ने अपने साथियों के साथ विधायक विक्रम सिंह का पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति रमाकांत पयाशी एवं रामपुर बाघेलान जनपद अध्यक्ष राबेंद सिंह %छोटू भैया% भी मौजूद रहे। अभिषेक सिंह विकास एवं उनके साथियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

विधायक विक्रम सिंह ने स्वागत से अभिभूत होकर अभिषेक सिंह विकास एवं उनके सभी साथियों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का यह स्नेह ही उनकी असली ताकत है।स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुनील सिंह, विजय प्रताप सिंह %राजा भैया%, सचिन सिंह, छोटू सिंह, गौरव विश्वकर्मा, अभिषेक परिहार, पिंटू सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, रोशन सिंह, मनीष सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुस्तक विक्रेता संघ की बैठक, व्यापारिक समस्याओं पर मंथन

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला व भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता रहे मौजूद, व्यापारियों को शॉल-प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित





रीवा। पुस्तक विक्रेता संघ जिला रीवा की जिला स्तरीय आवश्यक बैठक रविवार को होटल जीत रेजिडेंसी में संपन्न हुई। बैठक में जिले भर से आए पुस्तक विक्रेताओं ने व्यापारिक समस्याओं, संगठन विस्तार तथा व्यापारी हितों से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला मुख्य अतिथि व भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। संघ के संरक्षक नरेंद्र गुप्ता, कमलेश सचदेवा, एडवोकेट सुनील अग्रवाल, नरेश चुगानी, नरु भाई तथा मयंक प्रकाश गोयल मंचासीन रहे।

बैठक की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष संजय गुप्ता ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, मां लक्ष्मी एवं भगवान श्री गणेश के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संचालन सहसचिव प्रेमचंद गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन संदीप श्रीवास्तव ने किया।

अध्यक्ष संजय गुप्ता ने संगठन के एक वर्ष पूर्ण होने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने व्यापारियों से एकजुट होकर कार्य करने और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। उपाध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने वर्तमान व्यावसायिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। सचिव मयंक प्रकाश गोयल ने आगामी योजनाओं की जानकारी साझा की। संरक्षक कमलेश सचदेवा ने संगठन को और अनुशासित बनाने के सुझाव दिए। एडवोकेट सुनील अग्रवाल ने व्यापारियों को कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। संरक्षक नरेंद्र गुप्ता ने नियमों का पालन करते हुए ईमानदारी से व्यवसाय करने पर जोर दिया। कोषाध्यक्ष आदित्य मिश्रा ने संगठन को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सहयोग का आग्रह किया।

बैठक में उपस्थित सभी व्यापारी बंधुओं को शॉल एवं सदस्यता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। व्यापारियों ने संगठन की सराहना करते हुए इसे और सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर शिवम गुप्ता, अजय कुमार तिवारी, श्रवण गुप्ता, आशीष गुप्ता, अशोक गुप्ता सहित जिले के सैकड़ों पुस्तक विक्रेता उपस्थित रहे। बैठक का समापन व्यापारी एकता एवं संगठन सशक्तिकरण के संकल्प के साथ हुआ।

आर्य समाज रीवा के वार्षिक चुनाव आपसी सहमति से संपन्न, सुनील तिवारी बने प्रधान



गिरीश पालीवाल मंत्री व संजय पाण्डेय कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित, नई कार्यकारिणी का संकल्प- शिक्षा व संस्कार को बढ़ाएंगे

रीवा। आर्य समाज रीवा के सत्र 2026-2027 के वार्षिक चुनाव शनिवार को आपसी सहमति से संपन्न हुए। चुनाव नागपुर सभा के प्रतिनिधि मयंक चतुर्वेदी, घनश्याम रेवतानी व सुदर्शन आर्य की उपस्थिति व मार्गदर्शन में हुए।

चुनाव में सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। श्री सुनील तिवारी सोहगौरा को प्रधान, गिरीश पालीवाल को मंत्री, संजय पाण्डेय को कोषाध्यक्ष, संतु लाल आहूजा को उप प्रधान, जगन्नाथ गुप्ता को उप मंत्री तथा रघुनाथ सिंह को पुस्तकाध्यक्ष चुना गया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में देवेश शुक्ला, विजय सचदेव, सुशील वर्मा, रमेश सचदेव, जगदीश चंद्र ताम्रकार, राघवेन्द्र तिवारी एवं आदित्य शुक्ला को मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर नागपुर सभा के प्रतिनिधियों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। नवनिर्वाचित प्रधान सुनील तिवारी ने कहा कि आर्य समाज के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज में शिक्षा, संस्कार और सेवा के कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि नई कार्यकारिणी वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ युवाओं को नशामुक्ति एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक करेगी। मंत्री गिरीश पालीवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए नियमित यज्ञ, सत्संग एवं वैचारिक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

घसारही (जुगया) पंचायत में विकास के नाम पर खेल या भ्रष्टाचार का बड़ा जाल

ग्रामीणों की मांग–तकनीकी जांच पूरी होने तक भुगतान रोका जाए, मस्टर एवं निर्माण कार्यों की हो विशेष जांच

करैरा। जनपद पंचायत करैरा अंतर्गत ग्राम पंचायत जुगया में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। नाली, पुलिया एवं सीसी सड़क निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया जा रहा तथा निर्माण सामग्री के उपयोग में भी गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। लोगों का कहना है कि मौके पर निर्माण कार्यों की स्थिति देखकर गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामवासियों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य नियमानुसार हो रहे हैं तो उनकी स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि पंचायत में चल रहे सभी निर्माण कार्यों का मौतिक सत्यापन कराया जाए, निर्माण सामग्री के नमूनों की प्रयोगशाला जांच कराई जाए तथा जांच पूरी होने तक संबंधित कार्यों का भुगतान रोका जाए।

ग्रामीणों ने यह भी मांग उठाई है कि पंचायत में संचालित निर्माण कार्यों से जुड़े मस्टर रोल, भुगतान अभिलेख, माप पुस्तिकाएं (एमबी) एवं अन्य वित्तीय दस्तावेजों की विशेष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अभिलेखों को निरस्त कर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में हुए वर्तमान एवं पूर्व के विकास कार्यों की भी जांच आवश्यक है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि शासन द्वारा स्वीकृत राशि का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुसार हुआ है या नहीं। लोगों ने सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा संबंधित तकनीकी अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की मांग की है।अब क्षेत्र की जनता की निगाहें जिला प्रशासन, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत करैरा पर टिकी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती है तो इससे जनता का विश्वास शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रभावित होगा।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें-

1. सभी निर्माण कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी जांच।
2. जांच पूरी होने तक भुगतान पर रोक।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और इनटेक (INTAC) झाँसी चैप्टर के बीच ऐतिहासिक एमओयू (Mo) पर हुए हस्ताक्षर;

विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होगा हेरिटेज मैनेजमेंट केंद्र



सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झाँसी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (क़), झाँसी और देश की प्रतिष्ठित विरासत संरक्षण संस्था इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTAC॥), झाँसी चैप्टर के बीच आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (ख्ब) पर हस्ताक्षर किए गए. इस समझौते का मुख्य उद्देश्य पुरातत्व, सांस्कृतिक विरासत, संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान, शिक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है.

इस ऐतिहासिक अवसर पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय, कुलसचिव ज्ञानेन्द्र कुमार, आईक्यूएसी (IQAC) के डायरेक्टर प्रो. सुनील कुमार काबिया, प्रो. अवनीश कुमार, डॉकटर ऋषि सक्सेना, डॉ. हितिका यादव, हेमन्त चंद्रा और चन्द्र भान प्रजापति गरिमामयी रूप से उपस्थित रहे। वहीं इंटैक मुख्यालय से गवर्निंग कौंसिल सदस्य एवं चैप्टर्स डिवीज़न एडवाइजरी कमेटी के चेयरमैन नीलकमल माहेश्वरी एवं इंटैक झाँसी चैप्टर के संयोजक राजेंद्र कुमार राय उपस्थित रहे।एमओयू की मुख्य विशेषताएं और उद्देश्य-

हेरिटेज सेंटर की स्थापना- इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय परिसर में %इनटेक बीयू सेंटर फॉर हेरिटेज मैनेजमेंट एंड कंजर्वेशन% (CHMC) की स्थापना की जाएगी.

अत्याधुनिक प्रयोगशाला-शोध और वैज्ञानिक परीक्षणों को बढ़ावा देने के लिए बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में एक विशेष %संरक्षण प्रशिक्षण, अनुसंधान और परीक्षण प्रयोगशाला% (Conservation Laboratory) स्थापित की जाएगी.

असुरक्षित स्मारकों का संरक्षण- दोनों संस्थाएं मिलकर बुंदेलखंड क्षेत्र की उन ऐतिहासिक विरासतों और असुरक्षित स्मारकों के संरक्षण व जागरूकता के लिए काम करेंगी, जो एएसआई (ASI) या राज्य पुरातत्व विभाग के अंतर्गत नहीं आते हैं.

अकादमिक गतिविधियां- इसके अंतर्गत अल्पकालिक पाठ्यक्रम (Short-term courses), व्याख्यान, कार्यशालाएं, सेमिनार और प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी, साथ ही ऑडियो-विजुअल शिक्षण सामग्री और अकादमिक जर्नल भी प्रकाशित किए जाएंगे.

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। इनटेक के साथ यह अनूठा सहयोग शोधार्थियों, छात्रों और स्थानीय समुदायों के बीच सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने और हमारी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में एक मील का पत्थर साबित होगा.

झांसी में शुरू हुआ विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

जिला पंचायत अध्यक्ष, अपर निदेशक झांसी मंडल एवं सीएमओ ने अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन



*झांसी जनपद में स्वास्थ्य विभाग झांसी द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया गया है। अभियान का शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण झांसी मंडल डॉ आरके सक्सेना एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी झांसी डॉ शिशिर पुरी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से शुरू होकर बीकेडी चौराहा होते हुए वापस मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में समाप्त हुई। शुभारंभ रैली में जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, अपर निदेशक डॉ आर के सक्सेना, सीएमओ डॉ शिशिर पुरी सहित स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी, नगर निगम, कृषि, आईसीडीएस, पंचायतीराज विभाग के साथ राघवेंद्र नर्सिंग कॉलेज के छात्र व छात्राएं सम्मिलित हुए।

1 जुलाई 2026 से शुरू हुए विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान में दिनांक 10 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक आशाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा दस्तक अभियान भी चलाया जाएगा, जिसमें मलेरिया, डेंगू, टीबी, कुष्ठ रोगियों की सूची बनाई जाएगी और उनकी जांच कराई जाएगी। जांच में बीमारी की पुष्टि होने पर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, यह जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शिशिर पुरी ने बताया कि सरकार द्वारा जन जागरूकता के माध्यम से संचारी रोगों के प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रयास किए जा रहे हैं तथा जन भागीदारी से संचारी रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने रैली में उपस्थित कृषि, नगर-निगम, आईसीडीएस, पंचायत राज विभाग एवं अन्य विभाग के अधिकारियों को मिलजुल कर कार्य करने तथा जनपद झांसी को संचारी रोगों से मुक्त करने हेतु परामर्श दिया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ उत्सव राज ने बताया कि वर्ष 2025 में डेंगू के 62 रोगी पाए गए थे, परंतु समस्त विभागों के सहयोग से निरंतर डेंगू रोगियों में काफी कमी आई है। वर्तमान में 1 जनवरी 2026 से अभी तक 11 डेंगू रोगी मिले हैं। यह अभियान 11 विभागों के सहयोग से चलाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर एस भदौरिया, डॉ के एन एम त्रिपाठी, डॉ एन के जैन, डीआईओ डॉ रविशंकर, डीएसओ डॉ रमाकांत स्वर्णकार, नोडल अधिकारी डॉ उत्सव राज, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विनीत कुमार, कंट्रोल रूम प्रभारी डॉ सतीश चंद्र, जिला मलेरिया अधिकारी आर के त्रिपाठी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ विजयश्री शुक्ला, एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ अनुराधा राजपूत, जेएसआई से अनिरुद्ध सहित कृषि विभाग से सुनील यादव, आईसीडीएस, पंचायती राज विभाग के प्रतिनिधि एवं मलेरिया विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

तालेबेहट में गहोई वैश्य समाज की नवगठित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी श्री राजरानी नौगैरिया हनुमंत गहोई वैश्य धर्मशाला तालेबेहट द्वारा आयोजित नव-निर्वाचित गहोई वैश्य पंचायत समिति, नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह दुर्गा पैलेस, गहोई धर्मशाला के समीप रामलीला मैदान तालेबेहट में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम बिहारी गुप्ता, अध्यक्ष गौ सेवा आयोग एवं राज्य मंत्री (उ.प्र.) सरकार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमेश चिरौलिया, अध्यक्ष बुंदेलखंड क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा ने की, जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज चौधरी, उपाध्यक्ष अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पं. हरिश्चंद्र रावत, डॉ. संदीप सरावगी, विजय सिंह, पुनीत सिंह परिहार, मुकुता सोनी, संजय पटवारी, नरेश गुप्ता एवं लक्की नौगैरिया शामिल रहे।

नवगठित गहोई वैश्य पंचायत समिति में विजय कुमार



रेंजा को अध्यक्ष, रविन्द्र कुमार नौगैरिया को उपाध्यक्ष, दीपेन्द्र नौगैरिया को महामंत्री तथा अशोक बिस्वारी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त सुधीर निगमीत उपमंत्री, राजेश नौगैरिया ऑडिटर, कैलाश गौर, कृष्णमुरारी सेठ, राम कुमार बिस्वारी, सुनील नौगैरिया एवं प्रदीप सोनी सदस्य बनाए गए।

नवगठित नवयुवक मंडल में आशु नवगैरिया को अध्यक्ष, नवीन नौगैरिया को उपाध्यक्ष, हर्ष सावला को महामंत्री एवं राहुल तिवरिया को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। साथ ही राजुल नौगैरिया उपमंत्री, आकाश कनकने ऑडिटर तथा राहुल नौगैरिया, अर्पित रेंजा, आशीष नौगैरिया, शिवा नौगैरिया एवं ऋतिक बिसलिया सदस्य नियुक्त किए गए।

महिला मंडल कार्यकारिणी में गीता देवी सावला को अध्यक्ष, उषा सेठ को उपाध्यक्ष, मीरा कनकने को महामंत्री एवं रजनी नौगैरिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं किरन सावला उपमंत्री, ममता डेगरे ऑडिटर तथा उषा नौगैरिया, रीता नौगैरिया, माला लोहिया, विनीता नौगैरिया, संध्या कनकने सदस्य बनाई गईं। इसके अतिरिक्त रानी सेठ एवं सोनिया नौगैरिया को मनोनीत सदस्य नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर डॉ. संदीप सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की प्रगति संगठन की मजबूती और आपसी एकता में निहित है। गहोई वैश्य समाज सदैव सामाजिक सरोकारों, सेवा और संस्कारों का संवाहक रहा है। नई कार्यकारिणी के गठन से समाज को नई ऊर्जा, नई दिशा और नई सोच मिलेगी। मुझे विश्वास है कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए विकास, समरसता और संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समारोह के अंत में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती एवं सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।

गणितीय विज्ञान विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर आईआईआरएफ में आठवी रैंक मिली।

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन



झांसी बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के गणितीय विज्ञान एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग में संचालित बीसीए को राष्ट्रीय स्तर पर आईआईआरएफ प्रोग्राम आधारित रैंकिंग में 8वी रैंक प्राप्त हुई है। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर मुकेश पाण्डेय ने विभाग के समस्त शिक्षकों को बधाई दी। साथ ही भविष्य में विभाग को ओर अधिक उत्कृष्ट बनाने पर जोर दिया। विभाग में अधिक से अधिक शोध नवाचार और सम्मेलन आयोजित किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अवनीश कुमार द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए शिक्षक साथियों का आभार प्रकट किया एवं भविष्य में ओर अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। आईक्यूएसी निदेशक प्रोफेसर सुनील कुमार काबिया द्वारा इस अवसर पर विभाग के समस्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विभाग के शिक्षकों द्वारा शोध नवाचार एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित रोजगार परक शिक्षा के आधार पर मूल्यांकन में खरा उतरने पर यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। कुलपति की श्रेष्ठ लीडरशिप एवं मार्गदर्शन में विभाग ने आईआईआरएफ में आठवी रैंक प्राप्त होने का गौरव प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ धर्मेंद्र बादल, डॉ पुनीत मातापुरकर, डा राजेन्द्र कुमार, डॉ रश्मि श्रीवास्तव, डा ममता सिंह, डा सुनील त्रिवेदी, श्री अनिल बोहरे, डा अतुल खरे, डा सचिन उपाध्याय, डा कमलेश, सचिन विश्वकर्मा, श्री हेमंत कुमार, सुश्री हितिका सहित अन्य शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर झांसी शाखा में हुआ CA सप्ताह का शुभारंभ

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन



झांसी। झांसी शाखा, द्वष्टद्व द्वारा 1 जुलाई को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर ष्ट सप्ताह का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शाखा अध्यक्ष सीए जयंत मणि जैन द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं सीए विद्यार्थियों द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 30 यूनिट रक्तदान किया गया। साथ ही टेबल टेनिस, शतरंज एवं अन्य इंडोर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।शाखा अध्यक्ष सीए, सीएमए जयंत मणि जैन ने सभी सदस्यों एवं विद्यार्थियों को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि झांसी शाखा द्वारा पूरे सप्ताह विभिन्न सामाजिक, खेल एवं व्यावसायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 2 जुलाई को क्रिकेट मैच, 3 जुलाई को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, 4 जुलाई को जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री (लिटरेसी किट) का वितरण, 5 जुलाई को सीए परिवारों के लिए पिकनिक, 6 जुलाई को वृक्षारोपण एवं सीएसआर गतिविधियां तथा 7 जुलाई को विभिन्न कानूनों पर सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में शाखा के उपाध्यक्ष सीए गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए प्रदीप विश्वारी, सीआईसीएएसए चेयरपर्सन सीए श्वेता अग्रवाल एवं पूर्व अध्यक्ष सीए उज्ज्वल मोदी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीए गौरव गुप्ता, सीए अजय मोदी, सीए वैभव, सीए अंकित, सीए वैभव अग्रवाल, सीए सागर अत्री, सीए मनोज बादल, सीए रचित अग्रवाल, सीए अमित अग्रवाल, सीए शोभित अग्रवाल, सीए प्रकाश हीरवानी, सीए निरपेन्द्र शर्मा, सीए समर्थ अग्रवाल, सीए अदिति सिंह, सीए आदर्श गुप्ता, सीए नित्या जैन, सीए रजनी कुशवाहा, सीए दुश्यंत चतुर्वेदी, सीए आर्यन जिंदल, सीए अभिषेक गुप्ता, सीए सिद्धार्थ जैन, सीए सागर अग्रवाल, सीए मुहाफिज खान, सीए नवीन पलिया एवं सीए निहाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सीए विद्यार्थियों पलोमी जैन, आर्यन गुप्ता, नव्या अग्रवाल, समायरा गुप्ता, वंशिका अग्रवाल, अरबाज खान, अरिहंत जैन, तुष्टि अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, पलक अग्रवाल, अर्पित राय, नितेश गोयल, उत्कर्ष अग्रवाल, अभि गुप्ता, कुशाग्र गुप्ता एवं वंशिका जैन ने भी सक्रिय सहभागिता की।

IGRS पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण मे झांसी रेंज ने लगातार 06वीं बार प्राप्त किया प्रथम स्थान

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झाँसी एव जालौन लगातार 06वीं तथा जनपद ललितपुर ने भी माह जून में प्राप्त किया प्रथम स्थानष्क



झांसी लखनऊ मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (IGRS) में माह जून ,2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त होने पर पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र, झांसी आकाश कुलहरि के कुशल निर्देशन में आईजीआरएस / समाधान पोर्टल पर माह जून, 2026 में जो शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये उनका शासन की मंशानुरूप नियत समय में विधिक निस्तारण किया गया जिससे (IGRS) पोर्टल पर प्राप्त होने वाली माह-जून 2026 मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के परिक्षेत्रों की रैकिंग में झांसी परिक्षेत्र ने वर्ष 2026 में लगातार 06वीं बार प्रथम रैंक प्राप्त की है साथ ही रेंज के समस्त जनपदों ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है जिसकी आईजी द्वारा सराहना कर उत्साहवर्धन किया गया ।

आई.जी. द्वारा प्रभारी आई.जी.आर.एस./ सीसीटीएनएस उ0नि0 राजेश सिंह, रेंज कोर्डिनेटर विमल कुमार श्रीवास्तव, मु0आ0 देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रियंका गुप्ता कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए को उत्साहवर्धन हेतु नकद पुरुष्कार से पुरुष्कृत किया गया है।

आईजी द्वारा परिक्षेत्र के जनपद प्रभारियों को (IGRS) प्रणाली से प्राप्त शिकायतों का उच्चकोटि की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने एवं जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर शासन के मंशानुरूप पूर्ण मनोयोग से उनकी समस्याओं के विधिक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है जिससे आमजनमानस में पुलिस की उत्कृष्ट छवि, निष्पक्ष कार्यप्रणाली एवं विश्वसनीयता की भावना बरकरार रहे एवं शिकायतों में निरन्तर कमी हो ।

69वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस वैज्ञानिक अनुसंधान (फोटोग्राफी, कम्प्यूटर, एंटी सबोटॉज चेक एवं वीडियोग्राफी) 03 दिवसीय प्रतियोगिता-2026 का शुभारम्भ

सिद्धि सरकार ब्यूरोअनसारहुसैन

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी द्वारा फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया



झांसी पुलिस लाइन, झाँसी में आयोजित ÷69वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस वैज्ञानिक अनुसंधान (फोटोग्राफी, कम्प्यूटर, एंटी सबोटॉज चेक एवं वीडियोग्राफी) की 03 दिवसीय प्रतियोगिता-2026÷ का शुभारम्भ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रतिभागी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान एवं आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया तथा कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ पुलिस कर्मियों की तकनीकी दक्षता एवं व्यावसायिक कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी पुलिसकर्मी फोटोग्राफी, कम्प्यूटर, एंटी सबोटॉज चेक एवं वीडियोग्राफी सहित विभिन्न विधाओं में अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रतियोगिता आगामी तीन दिनों तक आयोजित की जाएगी, जिसमें कानपुर जोन के समस्त जनपदों से आए प्रतिभागी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित होंगे।

उक्त अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक आरीबा नोमान, क्षेत्राधिकारी सदर प्रिया सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डग्गामार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत,चालक फरार



सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

अतर्रा/बाँदा।बाँदा-अतर्रा मार्ग पर नहर के पास तेज रफ्तार डग्गामार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,बांदा की ओर से आ रहे डग्गामार वाहन ने मोटरसाइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की तत्काल पहचान नहीं हो सकी।दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल का पंजीकरण संख्या क्र 90/श्र 4331 है।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मोटरसाइकिल के आधार पर मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।पुलिस ने फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई यूपीटीईटी-2026 परीक्षा, डीएम-एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान



बाँदा।उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग,प्रयागराज द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी-2026) जनपद बांदा में गुरुवार को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में शुरू हुई। परीक्षा 2, 3 एवं 4 जुलाई तक प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है।प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक संचालित हो रही है।परीक्षा की शुचिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी अमित आसेरी ने जिले के सभी आठ परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की है। प्रत्येक केंद्र पर प्रशासन एवं पुलिस की कड़ी निगरानी में परीक्षा सकुशल संपन्न कराई जा रही है।उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा नामित प्रेक्षक एवं सेवानिवृत्त डीआईजी अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी अमित आसेरी तथा पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने संयुक्त रूप से पंडित जे.एन.पीजी कॉलेज एवं नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान परीक्षा कक्षों,अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया,सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए।जनपद में डी.ए.वी. इंटर कॉलेज,आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज,पंडित जे.एन. पीजी कॉलेज, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय,नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज,जनता इंटर कॉलेज (खुरहंड),इंटरमीडिएट कॉलेज तिंदवारी तथा खानकाह इंटर कॉलेज सहित कुल आठ परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जा रही है।प्रशासन ने सभी केंद्रों पर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं।

सुपर एल नीनो से बचाव को प्राकृतिक खेती अपनाएं,कम पानी वाली फसलों को दें प्राथमिकता: सूर्य प्रताप शाही



सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को ÷सूखा एवं एल नीनो का प्रभाव तथा खेत बचाओ अभियान÷ विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि,कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने,जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा कम पानी वाली फसलों के उत्पादन पर जोर देने का आह्वान किया।कार्यक्रम में जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद भी मौजूद रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।इसके बाद अतिथियों ने कृषि,उद्यान,जल संरक्षण,प्राकृतिक खेती,कृषि यंत्रीकरण तथा अन्य विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया।इस दौरान ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया।कृषि निदेशक डॉ.रमेश मौर्य ने किसानों को बीज वितरण,उर्वरक उपलब्धता, कृषि यंत्रों पर अनुदान, किसान क्रेडिट कार्ड,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने चित्रकूट मंडल के 10 प्रगतिशील किसानों से संवाद कर उनके अनुभव सुने।किसानों ने प्राकृतिक खेती,आधुनिक तकनीकों और कृषि नवाचारों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।अपने संबोधन में कृषि मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश लगातार आठ वर्षों से देश का सर्वाधिक खाद्यान्न उत्पादन करने वाला राज्य बना हुआ है।उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने वर्ष 1946-47 के बाद पहली बार सुपर एल नीनो जैसी परिस्थितियों की संभावना जताई है। ऐसे में किसानों को अभी से तैयारी करते हुए कम पानी वाली फसलों, विशेषकर दलहन एवं तिलहन कोप्राथमिकता देनी चाहिए।उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने, रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा बीजामृत, जीवामृत जैसी प्राकृतिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की।साथ ही खेतों में पराली न जलाने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेकर फसलों का बीमा कराने पर भी जोर दिया।उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री अभियान को गति देने के निर्देश भी दिए।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्राकृतिक खेती,सोलर पंप तथा किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया।वहीं तिल,मूंग सहित विभिन्न फसलों के मिनीकिट किसानों को वितरित किए गए।जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि बुंदेलखंड का किसान आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती अपनाकर बेहतर उत्पादन कर रहा है।उन्होंने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना, अर्जुन सहायक परियोजना और खेत तालाब योजना क्षेत्र के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी तथा बुंदेलखंड के कृषि विकास को नई दिशा देंगी।कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय, कृषि निदेशक डॉ.रमेश मौर्य,उप कृषि निदेशक अभय यादव,जिला कृषि अधिकारी संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी,कृषि वैज्ञानिक तथा चित्रकूट मंडल के सभी जनपदों से बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गांव-गांव पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं, रानीपुर में लगा स्क्रीनिंग शिविर



सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में 24 मार्च 2026 से संचालित 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग गांव-गांव पहुंचकर लोगों की जांच और जागरूकता का कार्य कर रहा है।अभियान का उद्देश्य टीबी रोग की समय रहते पहचान कर मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराना तथा देश को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी पहल करना है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लोगों को दो सप्ताह से अधिक खांसी,खून की खांसी लगातार बुखार, थकान, सीने में दर्द,सांस लेने में तकलीफ रात में अधिक पसीना आना,गर्दन में गांठ तथा अन्य लक्षणों के प्रति सतर्क रहने और समय पर बलगम एवं एक्स-रे जांच कराने की सलाह दी जा रही है।अभियान के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों,मधुमेह के मरीजों,एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों तथा अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को उच्च जोखिम श्रेणी में चिन्हित कर उनकी विशेष स्क्रीनिंग की जा रही है।स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जनपद के सभी आठ विकास खंडों की 175 उच्च प्राथमिकता वाली ग्राम सभाओं में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।अभियान के दौरान अब तक 11,220 लोगों के एक्स-रे किए जा चुके हैं।इसी क्रम में 1 जुलाई 2026 को विकास खंड बिसंडा की ग्राम सभा रानीपुर में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया।शिविर में पहुंचे लोगों की टीबी जांच के साथ-साथ एक्स-रे,रक्तचाप ब्लड शुगर,बीएमआई तथा हीमोग्लोबिन की जांच भी की गई।स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से टीबी के लक्षण दिखाई देने पर बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने की अपील की है।

बाँदा कृषि विश्वविद्यालय में 54 नए आवासों का लोकार्पण,कृषि मंत्री ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर दिया जोर



सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।प्रदेश के कृषि,कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दौरा कर लगभग 26.84 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 54 आवासीय भवनों का लोकार्पण किया।उन्होंने कहा कि आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विकास से बुंदेलखंड में कृषि शिक्षा,अनुसंधान और कृषि विकास को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति प्रो.एस.वी.एस.राजू ने मंत्री का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के विकास में मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।मंत्री ने सी एंड डी एस द्वारा 13.59 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित टाइप-3 के 36 आवास तथा यूपीपीसीएल द्वारा 13.24 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित टाइप-4 के 18 आवासीय भवनों का लोकार्पण किया।उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं सुविधायुक्त आधारभूत ढांचा कृषि शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्रीय किसानों तक नई तकनीकों को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उन्होंने बांदा कृषि विश्वविद्यालय को बुंदेलखंड के किसानों के लिए महत्वपूर्ण संस्थान बताते हुए कहा कि यहां होने वाले शोध और नवाचार का सीधा लाभ किसानों को मिलना चाहिए।इसके बाद आयोजित समीक्षा बैठक में विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।मंत्री ने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं तथा गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए।उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन और कार्यदायी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया,ताकि निर्माण कार्यों में आने वाली तकनीकी एवं प्रशासनिक बाधाओं का समय रहते समाधान हो सके।बैठक में विश्वविद्यालय के निदेशक,अधिष्ठाता,शोध एवं प्रशासनिक अधिकारी सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के परियोजना प्रबंधक और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।अंत में कुलपति प्रो.एस.वी.एस.राजू ने मंत्री को आश्वस्त किया कि उनके सभी निर्देशों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय को कृषि शिक्षा,अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

डॉ.सोनेलाल पटेल की जयंती पर शालिनी सिंह पटेल ने उठाई सीबीआई जांच की मांग

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान



बाँदा।डॉ.सोनेलाल पटेल की जयंती पर जनता दल (यूनाइटेड) उत्तर प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी शालिनी सिंह पटेल ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन की सीबीआई जांच कराए जाने की मांग दोहराई।उन्होंने कहा कि डॉ.सोनेलाल पटेल ने अपना पूरा जीवन पिछड़ों,वंचितों, किसानों और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित किया तथा उनका संघर्ष आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है।शालिनी सिंह पटेल ने कहा कि वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव के दौरान डॉ.सोनेलाल पटेल के निधन की सीबीआई जांच कराने का आश्वासन दिया गया था,लेकिन आज तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई।उन्होंने सवाल उठाया कि जब संबंधित दल सत्ता में भागीदार हैं और केंद्र व प्रदेश सरकार में प्रतिनिधित्व रखते हैं,तब भी जांच की मांग पूरी क्यों नहीं की गई।उन्होंने कहा कि समाज को डॉ.सोनेलाल पटेल के निधन से जुड़े सवालों के जवाब जानने का अधिकार है।यदि निष्पक्ष जांच से सच्चाई सामने आने में कोई आपत्ति नहीं है तो सीबीआई जांच कराने में भी कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।शालिनी सिंह पटेल ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना नागरिकों का अधिकार है।उन्होंने आरोप लगाया कि समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों,किसानों,युवाओं और महिलाओं से संबंधित घटनाओं पर भी जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।उन्होंने कहा कि डॉ.सोनेलाल पटेल की विरासत का वास्तविक सम्मान तभी होगा,जब उनके निधन से जुड़े लंबे समय से उठ रहे सवालों पर निष्पक्ष जांच कराकर सच्चाई सामने लाई जाएगी।

महरौनी में विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जन सम्मेलन आयोजित,

ग्रामीणों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी की दी गई जानकारी



महरौनी/ललितपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी %विकसित भारत - जी राम जी (VB-G RAM G) योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार, 2 जुलाई 2026 को विकासखंड महरौनी की ग्राम पंचायत जरया में एक भव्य जन सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी श्री आजम अली ने कहा कि विकसित भारत - जी राम जी VB-G RAM G) योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने और गांवों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने ग्रामीणों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व ग्राम प्रधान श्रीमती भगवती लोधी ने सम्मेलन में ग्रामीणों को योजना के उद्देश्यों, 125 दिनों के रोजगार की गारंटी, गांवों में आजीविका के नए अवसर, ग्रामीण विकास तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी

कार्यक्रम में ग्राम विकास अधिकारी कुमारी रत्नेश, जे.ई. (एम.आई.) कुलदीप, टी.ए. आशुतोष लिटोरिया सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

घर के बाहर सो रही महिला की सिर पर वार कर हत्या, गांव में मचा कोहराम

रामपुरा (जालौन) रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम जायघा में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घर के बाहर चारपाई पर सो रही एक महिला की अज्ञात हमलावर ने सिर पर किसी भारी हथियार से वार कर हत्या कर दी। घटना का पता गुरुवार सुबह पड़ोसियों कोन चला, जिसके बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस और क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे तथा जांच शुरू कर दी।



जानकारी के अनुसार ग्राम जायघा निवासी मीना देवी (50 वर्ष), पत्नी स्वर्गीय कल्लू सिंह राजावत, अपने घर में अकेली रहती थीं। उनके दोनों पुत्र देवेंद्र सिंह (30 वर्ष) और विकेश सिंह (25 वर्ष) गुजरात के अंकलेश्वर में पत्थर और टाइल्स लगाने का कार्य करते हैं। गुरुवार रात मीना देवी अपने घर के बाहर चारपाई पर सो रही थीं। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके सिर पर किसी भारी हथियार से कई वार कर दिए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सिर पर गंभीर चोट लगने से काफी मात्रा में रक्त बह गया और उसके छींटे आसपास तक फैल गए। गुरुवार देर सुबह जब मोहल्ले के लोगों ने उन्हें काफी देर तक एक ही अवस्था में पड़े देखा तो उन्हें संदेह हुआ। पड़ोसी उनके घर पहुंचे तो मीना देवी को मृत अवस्था में देखकर सन्न रह गए। घटना की सूचना तत्काल रामपुरा थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी अंबुज यादव, थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक रमाशंकर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की।

मृतका के पारिवारिक देवर रूपेंद्र सिंह उर्फ लला, पुत्र छोटे सिंह, से घटना की सूचना संबंधी प्रार्थना पत्र लेकर पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतका के पुत्र देवेंद्र सिंह से दूरभाष पर संपर्क किया गया। देवेंद्र ने बताया कि वह अंकलेश्वर (गुजरात) में हैं और शुक्रवार सुबह तक गांव पहुंच जाएंगे। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनके आने तक आवश्यक कार्रवाई जारी रखी जाए, गांव घर पहुंचने के बाद वह घटना के संबंध में तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराएंगे।

फिलहाल पुलिस हत्या के कारणों और हमलावर की तलाश में जुटी है। ग्रामीणों से पूछताछ के साथ-साथ आसपास के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और शोक का माहौल है

जालौन में जनता आक्रोश जॉइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही के समर्थन में



-रिंकू सिंह राही के समर्थन में तहसील परिसर पहुंचे युवा, नारेबाजी कर जताया समर्थन

जालौन। जनपद की जालौन तहसील परिसर में गुरुवार को आधा सैकडा युवाओं और ग्रामीणों ने एकत्र होकर अधिकारी रिंकू सिंह राही के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि उन्हें जनपद में ईमानदार और जनहित में कार्य करने वाले अधिकारियों की ही आवश्यकता हैप्रदर्शन में शामिल लोगों ने रिंकू सिंह राही के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता मिली। वहीं कुछ लोगों ने वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की और बेहतर प्रशासन की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान मौजूद युवाओं का कहना था कि जनता अब अपने अधिकारों और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर अधिक जागरूक हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

हालांकि, प्रदर्शन के दौरान लगाए गए राजनीतिक नारों और वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर व्यक्त किए गए विचार प्रदर्शनकारियों के निजी विचार हैं। प्रशासन की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।यदि प्रशासन की ओर से कोई बयान जारी किया जाता है, तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।इस मौके पर हिमांशु ठाकुर दीपराज अवनीश अंकित सिंह रेहान मंसूरी मोहित कासिम प्रियांशु रितिक राठौर प्रीतम प्रियांशु आयुष देवराज अंकित विवेक सेहत तीन दर्जन युवा लोगों ने जिलाधिकारी को संबोधित विज्ञापन एसडीएम को सोपा।

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू का बुन्देलखण्ड के प्रवेश द्वार कालपी आगमन पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक डाक्टर अरूण मैहरोत्रा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया।



कालपी (जालौन) *नव नियुक्त भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू का गुरुवार को प्रथमवार जनपद आगमन पर दुर्गा मन्दिर के पास भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व विधायक डाक्टर अरूण मैहरोत्रा के नेतृत्व में फूल मालाओं के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त किया तथा 2027 के लिये कमर कसने का आवाहन किया तथा बुन्देलखण्ड की सभी सीटें जीतने का संकल्प दोहराया। स्वागत के दौरान नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी,अमित पाण्डेय,आशुतोष मिश्रा,संजय सविता,संजय सोनकर,भारत सिंह यादव,सुनील पटवा,नकुल वर्मा,हर्षित खन्ना,देवेन्द्र गुप्ता,राघवेन्द्र सिंह जादौन,भगवान दास खटिक, दिनेश चौधरी, रामसिंह बरौनियां,कुंवर सिंह परासन,कुवरजू,आकाश द्विवेदी,रविन्द्र सिंह खटोले,भारत भूषण,विनोद खत्री,सन्दीप शर्मा,राकेश पुरवार,जगत सिंह पूर्व सभासद, अमरीश अग्रवाल,विवेक दीक्षित,कोमल सिंह,दीनू सिंह, दीपेन्द्र गुप्ता,संजय वर्मा,राजेन्द्र साहू,प्रीतू सिंह आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुठौंद पुलिस का अपराधियों के खिलाफ लगातार एक्शन जारी,

न्यायालय से जारी NBW वारंट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार*



कुठौंद (जालौन)- कुठौंद थाना क्षेत्र अंतर्गत-पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कुठौंद पुलिस को एक और सफलता मिली है। थाना कुठौंद पुलिस ने वर्ष 2019 के लूट एवं मारपीट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जालौन के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक जगदम्बा प्रसाद दुबे कुठौंद के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए कमल दोहरे पुत्र मेवालाल दोहरे, निवासी ग्राम सैदपुर उवारी, थाना कुठौंद, जनपद जालौन को उसके घर से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कुठौंद में दर्ज अपराध संख्या 231/2019 में धारा 394, 323, 504, 506 एवं 411 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज है।अभियुक्त न्यायालय में लगातार अनुपस्थित चल रहा था, जिसके चलते माननीय न्यायालय ने उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट (NBW ST No. 46/2019) जारी किया था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त को वारंट की जानकारी दी गई तथा सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया गया।इस सफल कारवाई में हदरूख चौकी प्रभारी मुकेश कुमार गौतम, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार एवं कांस्टेबल लोकेश कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण का रैली सम्पन्न



शिक्षा सारे तालों की मास्टर चाबी है - राघवेन्द्र

माधौगढ़ (जालौन)विकासखंड माधौगढ़ और नगर माधौगढ़ के विद्यालयों की स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन नगर पंचायत माधौगढ़ चेयरमैन एडवोकेट राघवेंद्र व्यास के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई चेयरमैन ने रैली के दौरान सभी अभिभावकों को बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया वहीं कहा कि शिक्षा वह मास्टर चाबी है जिससे कि सभी ताले खुलते हैं शिक्षा के बिना मानव का जीवन पशुवत है उन्होंने नारा लगाया कि आधी रोटी खाएंगे बच्चों को जरूर पढ़ाएंगे खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी ने कहा कि एक भी बच्चा छूटा तो संकल्प हमारा टूटा नारे के साथ हमें आगे बढ़ना है और परिषदीय विद्यालयों में नामांकन को बढ़ाना है उनके द्वारा बताया गया कि इस वर्ष सत्र प्रारंभ होने के साथ ही पुस्तक प्राप्त हो गई है ताकि शिक्षण कार्य समय से प्रारंभ हो सके वहीं चेयरमैन द्वारा शासन के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में बताया गया उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि विद्यालयों में किसी भी कार्य के संदर्भ में कभी भी कोई आवश्यकता होगी वह हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे उनके द्वारा कहा गया कि वह स्वयं माधौगढ़ के वार्डों में संपर्क करके अभिभावकों को प्रेरित करेंगे कि बच्चों को परिषदीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाए कार्यक्रम का संचालन अमित गुप्ता के द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंतर्गत नगर क्षेत्र के चारों विद्यालय कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय माधौगढ़ कन्या प्राथमिक विद्यालय माधौगढ़ ,प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुरा एवं प्राथमिक विद्यालय माधौगढ़ नं 0 2 एवं प्राथमिक विद्यालय डिकौली के छात्र-छात्राओं की सम्मिलित रैली को नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा हरी झंडी देकर रवाना किया गया रैली का नेतृत्व खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी द्वारा किया गया नगर पंचायत अध्यक्ष राघवेंद्र व्यास द्वारा भी रैली में साथ-साथ चलते हुए स्वयं अभिभावकों से संपर्क किया गया और कहा गया कि वह परिषदीय विद्यालयों में अपने बच्चों का प्रवेश कराए माधौगढ़ नगर के भ्रमण के दौरान घर-घर विद्यालयों में प्रवेश हेतु पंपलेट का वितरण भी किया कार्यक्रम में विकासखंड के एआरपी आशुतोष सिंह,विकास सेंगर ने रैली की व्यवस्थाओं में सहयोग किया इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में ,संजय दिवाकर ,कुमुदिनी देवी,चित्रा सिंह ,शालिनी,विभा,सोनम सिंह,विनय कस्तवार ,सोनी शाक्य,बॉबी सिंह ,राहुल निरंजन,कुलदीप,मोहित,हेमेन्द्र,जानकी,आदित्य,देवेंद्र अमर सिंह,अमित शुक्ला,उपेंद्र, ताहर सिंह इत्यादि ने सहयोग किया



दैनिक सिद्धि सरकार के लिए स्वामी मुद्रक प्रकाशक अखिलेश कुमार द्वारा परशुराम एसोसिएट एंड कानन ड्रीम प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहर रोड आजादपुरा ललितपुर उत्तर प्रदेश से छपरा कर 91 मसरा खुर्द ललितपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित संपादक अखिलेश कुमार चौबे
email id.siddhisarkar@ gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ललितपुर होगा)मो.न.. 9793 444 829 ,9044133894